



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 360]

No. 360]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 2, 2008/आषाढ़ 11, 1930

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 2, 2008/ASADHA 11, 1930

वित्त मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2008

**सा.का.नि. 494(अ).—** केन्द्रीय सरकार, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 12 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 55 की उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ-** (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीमांकक (परिषद् का निर्वाचन) नियम, 2008 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएं -** (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो-

(क) “अधिनियम” से बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्ररूप” से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत हैं ;

(ग) “सदस्य” से ऐसा सदस्य अभिप्रेत है जो परिषद् का निर्वाचन लड़ने के लिए पात्र है ; और “सदस्यता” पद का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा ;

(घ) “रिटर्निंग आफिसर” से अधिनियम की धारा 20 के अधीन परिषद् द्वारा नियुक्त किया गया संस्थान का कार्यकारी निदेशक, या यदि कार्यकारी का पद रिक्त है तो निर्वाचनों के संचालन के प्रयोजन के लिए परिषद् द्वारा अभिहित संस्थान का कोई अधिकारी अभिप्रेत है ;

(ङ) “अनुसूची” से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों का जो इसमें प्रयुक्त हैं और इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अधिनियम में है।

**3. निर्वाचित सदस्यों की संख्या और पदावधि** - अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) के खंड (क) के अधीन संस्थान के अध्येता सदस्यों और सहयुक्त सदस्यों द्वारा परिषद् के लिए निर्वाचित किए जाने वाले अध्येता सदस्यों में से 12 सदस्य होंगे ।

**4. परिषद् के लिए सदस्य के निर्वाचन की तारीखें** - (1) परिषद् के लिए निर्वाचन डाक मतपत्र द्वारा कराया जाएगा ।

(2) रिटर्निंग आफिसर परिषद् के निर्वाचन के निम्नलिखित प्रक्रमों के लिए नियत तारीखों को परिषद् के लिए निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तारीख से कम से कम तीन मास पूर्व संस्थान के वेब-साइट पर और संस्थान के मुख्यालयों के सूचना पट पर प्रकाशित करेगा, अर्थात् :-

(क) नामनिर्देशनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय संस्थान के वेब-साइट या संस्थान के मुख्यालयों के सूचना पट पर प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिन से कम का नहीं होगा ;

(ख) नामनिर्देशनों की संवीक्षा की तारीख खंड (क) के अधीन नियत नामनिर्देशन की प्राप्ति की अंतिम तारीख से तीन दिन से बाद की नहीं होगी ;

(ग) नामनिर्देशन वापस लेने की अंतिम तारीख और समय खंड (ख) के अधीन नियत नामनिर्देशन की संवीक्षा की तारीख से सात दिन के भीतर का होगा ;

(घ) वह तारीख जिसको मतपत्र मतदाताओं को भेजे जाएंगे ;

(ङ) मतदाताओं से मतपत्रों की प्राप्ति के लिए अंतिम तारीख और समय ;

(च) मत गणना की तारीख ;

(छ) परिणाम घोषित करने की तारीख ।

(3) यदि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उपनियम (2) के अधीन निर्वाचन के लिए नियत तारीख को निर्वाचन नहीं कराए जाएंगे तो रिटर्निंग आफिसर नई तारीख घोषित करेगा और उसे संस्थान के वेब-साइट पर और संस्थान के मुख्यालयों पर सूचना पट पर प्रकाशित करेगा :

परंतु ऐसी नई तारीख की घोषणा, उपनियम (2) के उपखंड (iv) और उपखंड (छ) के अधीन तारीखों में परिवर्तन के सिवाय, पुनरीक्षित तारीख से कम से कम दस दिन पूर्व प्रकाशित की जाएगी ।

(4) यदि संस्थान विनिर्दिष्ट अवधि के अंतिम दिन बंद रहता है और वह कार्य उस अगले दिन कर लिया जाता है जिसको संस्थान खुलता है, तो वह कार्य सम्यक समय के भीतर किया गया माना जाएगा ।

**5. मत देने के लिए पात्र सदस्य** - इस अधिनियम के और इन नियमों के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए ऐसा कोई सदस्य निर्वाचन में मत देने के लिए पात्र होगा जिसका नाम उस वित्तीय वर्ष की पहली अप्रैल को रजिस्टर पर आ जाता है जिसमें परिषद् के लिए निर्वाचन कराए जाने हैं :

परंतु कोई सदस्य निर्वाचन में मत देने का पात्र नहीं होगा यदि उसका नाम मतदाताओं की सूची के प्रकाशन की तारीख को रजिस्टर से हटा दिया गया है ।

**6. मतदाता सूची** - (1) रिटर्निंग आफिसर, नामनिर्देशनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख से पैंतालिस दिन पूर्व मत देने के लिए पात्र मतदाताओं की सूची प्रकाशित करेगा जैसा कि अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट है ।

(2) मतदाता सूची संस्थान के मुख्यालयों पर ऐसी फीस के संदाय पर उपलब्ध कराई जाएगी जो परिषद् द्वारा नियत की जाए।

(3) मतदाता सूची में किसी सदस्य के नाम के सम्मिलित होने से निर्वाचन में मत देने का कोई आत्यंतिक अधिकार नहीं मिल जाता जो, यथास्थिति, अधिनियम, इन नियमों या विनियमों के अन्य उपबंधों के अधीन होगा।

(4) उपनियम (2) के अनुसार सूची की उपलब्धता के बारे में घोषणा संस्थान के वेब-साइट पर और संस्थान के मुख्यालयों के सूचना पट पर प्रकाशित की जाएगी।

(5) यदि उपनियम (1) के अधीन प्रकाशित मतदाता सूची में कोई लेखन संबंधी भूल या लोप का पता लगता है तो रिटर्निंग आफिसर शुद्धिपत्र जारी करके नामनिर्देशनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख तक उसका परिशोधन कर सकेगा।

**7. निर्वाचन लड़ने के लिए पात्र सदस्य** - (1) इन नियमों के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए कोई सदस्य, जो उस वित्तीय वर्ष की पहली अप्रैल को अध्येता है जिसमें निर्वाचन कराया जाना है और जिसका नाम नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन नामनिर्देशनों की संवीक्षा की अंतिम तारीख को रजिस्टर पर बना रहता है, परिषद् के लिए निर्वाचन लड़ने के लिए पात्र होगा :

परंतु कोई सदस्य परिषद् के लिए निर्वाचन लड़ने का पात्र नहीं होगा, यदि -

(क) वह किसी व्यवसायिक या अन्य अवचार का दोषी पाया गया है और उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जाता है अथवा उसे अधिनियम की धारा 30 में यथाउपबंधित जुर्माने की शास्ति अधिनिर्णित की जाती है और अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) के खंड (क) के अधीन परंतुक में विनिर्दिष्ट अवधि समाप्त नहीं हुई है ; या

(ख) वह केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई पद धारण किए हुए है जैसा कि अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (3) में उपबंधित है ; या

(ग) उसने ठीक पूर्ववर्ती तीन आनुक्रमिक अवधियों के दौरान कोई पद धारण किया है जैसा कि अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन उपबंधित है ; या

(घ) वह अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के अधीन अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हो गया है और उसने वह पद कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए धारण किया है।

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजनों के लिए, -

(I) परंतुक के खंड (क) के अधीन निरर्हता लागू करने के प्रयोजन के लिए, पूर्व में कारित अपराधों के लिए अधिनियम के प्रवर्तन में आने से पूर्व किसी व्यक्ति पर अधिनिर्णित शास्तियों या इस अधिनियम के प्रारंभ के पश्चात् किसी व्यक्ति पर अधिनिर्णित शास्तियों को गणना में लिया जाएगा;

(II) परंतुक के खंड (ख) के अधीन निरर्हता लागू करने के प्रयोजन के लिए, भारत की संचित निधि से या किसी राज्य की संचित निधि से वेतन लेने वाले व्यक्ति के बारे में यह माना जाएगा कि

वह ऐसा व्यक्ति है जो, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन पद धारण कर रहा है ;

(III) अधिनियम के प्रवृत्त होने से पूर्व अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) के या तो खंड (क) या खंड (ख) या भागतः खंड (क) या भागतः खंड (ख) के अधीन परिषद् के सदस्य के रूप में किसी व्यक्ति द्वारा धारित पद की अवधियों की संख्या को परंतुक के खंड (ग) के अधीन निरर्हता के प्रयोजन के लिए तीन आनुक्रमिक अवधियों की गणना के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा ;

(IV) अधिनियम के प्रारंभ से पूर्व अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के अधीन सोसाइटी के अध्यक्ष का पद धारण करने को परंतुक के खंड (घ) के अधीन निरर्हता लागू करने के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा ।

**8. निर्वाचित किए जाने वाले सदस्यों की संख्या** - परिषद्, नामनिर्देशनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख से पैंतालिस दिन पूर्व, संस्थान के वेब-साइट पर निर्वाचित किए जाने वाले सदस्यों की संख्या के संबंध में प्ररूप क में और नियम (4) के उपनियम (2) के अधीन प्रकाशित तारीख और समय तक निर्वाचन के लिए अभ्यर्थियों के नामनिर्देशन पत्रों की मांग करने वाली सूचना प्रकाशित करेगा ।

**9. नामनिर्देशन पत्र** - (1) परिषद् के लिए निर्वाचन हेतु प्रत्येक नामनिर्देशन पत्र प्ररूप ख में भरा जाएगा और रिटर्निंग आफिसर को नियम 4 के अधीन नामनिर्देशन पत्र फाइल करने के लिए नियत तारीख को पांच बजे तक प्रस्तुत किया जाएगा ;

परंतु प्ररूप 5 को पूरा भरने में किसी असफलता या उसमें किसी कमी को सारभूत प्रकृति की कमी के रूप में नहीं माना जाएगा ।

(2) कोई सदस्य परिषद् के निर्वाचन के लिए दो पूर्ण नामनिर्देशन पत्र फाइल कर सकेगा ।

(3) रिटर्निंग आफिसर या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति अनुसूची 2 में यथाविनिर्दिष्ट जानकारी के साथ नामनिर्देशन पत्र स्वीकार करेगा और नामनिर्देशन पत्र पर तारीख और समय के साथ उसकी अभिस्वीकृति करेगा ।

**10. नामनिर्देशन पत्र की जांच** - (1) यदि जांच पर नामनिर्देशन पत्र सही पाया जाता है तो रिटर्निंग आफिसर उसे स्वीकार करेगा और उस पर क्रम संख्यांक डालेगा ।

(2) यदि जांच पर नामनिर्देशन पत्र त्रुटियुक्त पाया जाता है और त्रुटि सामान्य प्रकृति की है तो रिटर्निंग आफिसर सदस्य को उस त्रुटि का अपनी उपस्थिति में परिशोधन करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा ; और यदि त्रुटियां निम्नलिखित हैं -

- (i) सदस्य नियम 7 के अधीन परिषद् का निर्वाचन लड़ने के लिए पात्र है ; या
- (ii) यथास्थिति, समर्थक का प्रस्तावक प्रस्तावक होने का पात्र नहीं है या, सदस्य का समर्थक नामनिर्देशन पत्र फाइल करता है ; या
- (iii) सदस्य या प्रस्तावक या समर्थक के हस्ताक्षर असली हैं ; या
- (iv) नामनिर्देशन पत्र नियम 4 के उपबंधों के अनुसार नहीं है,

तो रिटर्निंग आफिसर नामनिर्देशन पत्र का परिशोधन करने के लिए समय अनुज्ञात कर सकेगा जिसे वह ठीक समझे ।

(3) यदि जांच पर नामनिर्देशन पत्र त्रुटियुक्त पाया जाता है और वह परिशोधित किए जाने योग्य नहीं है तो रिटर्निंग आफिसर नामनिर्देशन पत्र को खारिज कर देगा ।

**11. निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की सूचियां तैयार करना** - (1) परिषद् के लिए निर्वाचित होने के लिए निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की सूची प्ररूप ग में होगी और उसमें उनकी विशिष्टियां दी जाएंगी ।

(2) उपनियम (1) के अधीन तैयार की गई सूची के अनुसार सदस्यों के नामों को पूरे पते सहित वर्णानुक्रम में लगाया जाएगा ।

(3) प्रत्येक सदस्य या उसका निर्वाचन अभिकर्ता निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की एक सूची रिटर्निंग आफिसर द्वारा उसपर नमूने के रूप में हस्ताक्षर सहित सदस्यों को भेजी जाएगी ।

**12. अभ्यर्थिता की वापसी** - (1) यदि कोई सदस्य परिषद् के निर्वाचन से अपनी सदस्यता वापस लेना चाहता है तो वह प्ररूप घ में सूचना देगा और ऐसी सूचना की प्राप्ति पर रिटर्निंग आफिसर उस सूचना पर वह स्थान तारीख और समय अंकित करेगा जिस पर वह प्राप्त हुई थी ।

(2) ऐसे किसी सदस्य को जिसने उपनियम (1) के अधीन सूचना दी है, उस सूचना को रद्द करने या उसे वापस लेने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

(3) रिटर्निंग आफिसर, नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (ग) के अधीन नियत नामनिर्देशन पत्र वापस लेने की अंतिम तारीख के तीन दिन पूर्व, ऐसे सदस्यों के नाम की, जिन्होंने अपनी सदस्यता वापस ले ली है, परिषद् के निर्वाचन लड़ने वाले अन्य सदस्यों को इतला देगा ।

**13. अभ्यर्थियों और मतदाताओं को नामनिर्देशन पत्रों की अंतिम सूची की इतला** - (1) रिटर्निंग आफिसर विधिमान्य नामनिर्देशन पत्रों की सूची से ऐसे सदस्यों के नाम का लोप करेगा जिन्होंने अपनी सदस्यता वापस ले ली है और नामनिर्देशन पत्रों की अंतिम सूची परिषद् के निर्वाचन लड़ने वाले सभी सदस्यों को डाक प्रमाण पत्र के अधीन डाक द्वारा भेजेगा ।

(2) रिटर्निंग आफिसर द्वारा तैयार की गई अंतिम सूची संस्थान के वेब-साइट पर और संस्थान के मुख्यालयों के सूचना पट्ट पर प्रकाशित करेगा ।

(3) अंतिम सूची के साथ सभी निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की विशिष्टियां होंगी जो रिटर्निंग आफिसर द्वारा अनुसूची 3 के अनुसार समेकित, तैयार और प्रस्तुत की गई हैं :

परंतु यदि सदस्य द्वारा दी गई विशिष्टियों में रिटर्निंग आफिसर को कोई प्रकट गलती प्रतीत होती है तो रिटर्निंग आफिसर उसे सही कर सकेगा ।

(4) उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित विशिष्टियों में प्रधानतः यह इंगित किया जाएगा कि वे अनुसूची 2 के अनुसार सदस्य द्वारा दी गई विशिष्टियों के आधार पर समेकित की गई हैं और उक्त विशिष्टियों के बारे में कोई भी दायित्व स्वीकार्य नहीं है ।

**14. निर्वाचन आचार संहिता** - (1) स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान स्वस्थ और शांतिपूर्ण माहौल कायम रखने की दृष्टि से रिटर्निंग आफिसर, जैसा कि परिषद् द्वारा अनुमोदित किया जाए, नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन घोषणा करने से पूर्व सभी सदस्यों के लिए निर्वाचन आचार संहिता जारी करेगा और संस्थान के वेब-साइट पर निर्वाचन आचार संहिता को डालेगा।

(2) निर्वाचन आचार संहिता में परिषद् के निर्वाचन के लिए अनुदेश मानदंड होंगे तथा ऐसी निर्वाचन आचार संहिता का सदस्य और उसके प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा परिषद् के निर्वाचन के दौरान पालन किया जाएगा।

(3) निर्वाचन आचार संहिता नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन निर्दिष्ट प्रकाशन के जारी किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होगी और प्रत्येक सदस्य की ओर से निर्वाचन आचार संहिता के उपबंधों का पालन किया जाना बाध्यकारी होगा।

**15. सदस्य की मृत्यु** - (1) यदि मतपत्र भेजे जाने की तारीख से पूर्व किन्तु नियम 12 के अधीन सदस्यता वापस लेने के लिए नियत तारीख के पश्चात् किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और उसका नाम निर्देशन विधिमान्य है या विधिमान्य रूप में स्वीकार कर लिया गया है तो उसका नाम निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की सूची से लोप कर दिया जाएगा।

(2) यदि मत देने की प्रक्रिया प्रारंभ होने के पश्चात् किन्तु मतगणना प्रारंभ होने से पूर्व किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और यह बात रिटर्निंग आफिसर की जानकारी में आ जाती है तो मृत सदस्य को दिए गए मतों को अनदेखा किया जाएगा।

(3) यदि मतगणना प्रारंभ होने के पश्चात् और परिणाम घोषित होने से पूर्व किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और यह बात रिटर्निंग आफिसर की जानकारी में आ जाती है तो मृत सदस्य के हक में दिए गए मतों को अनदेखा किया जाएगा।

(4) यदि उस परिणाम की घोषणा के पश्चात् जिसमें उसे निर्वाचित घोषित किया गया है किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और यह बात रिटर्निंग आफिसर की जानकारी में आ जाती है तो पारिणामिक रिक्त स्थान अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसार भरी जाएगी।

**16. यदि निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की संख्या निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या के बराबर है या उससे कम है तो निर्वाचन लड़ने वाले सदस्य निर्वाचित किए गए समझे जाएंगे** - (1) जहां नामनिर्देशन पत्र भरने वाले सदस्यों की संख्या नामनिर्देशन की अंतिम सूची जारी किए जाने की तारीख को निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या के बराबर है या उससे कम है तो रिटर्निंग आफिसर ऐसे सदस्यों को सम्यक रूप से निर्वाचित सदस्यों के रूप में घोषित करेगा।

(2) जहां नामनिर्देशन पत्र भरने वाले सदस्यों की संख्या निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या से कम है वहां रिटर्निंग आफिसर शेष सदस्यों या निर्वाचित होने वाले सदस्यों के निर्वाचन के लिए नए सिरे से कार्यवाही आरंभ करेगा।

**17. किसी मतदाता के मतों की अनुज्ञेय संख्या** - (1) किसी मतदाता के पास रिक्ति के अनुसार केवल एक ही मत होगा।

(2) मतदाता अपना मत देने के लिए,-

(क) अपने मतपत्र पर उस सदस्य के नाम के ठीक सामने बॉक्स में सही का निशान लगाएगा जिसे वह मत देना चाहता है ; और

(ख) यह सुनिश्चित करेगा कि उसने उतने सदस्यों से अधिक को मत नहीं दिया है जितनी रिक्तियां भरी जानी है ।

**18. मतपत्र** - परिषद् के निर्वाचन के लिए मतपत्र प्ररूप ड में होगा ।

**19. मतपत्रों की जांच के समय और मतों की गणना के समय सदस्य और उसके प्राधिकृत अभिकर्ता की उपस्थिति** - (1) सदस्य या उसका प्राधिकृत अभिकर्ता नामनिर्देशन पत्रों, मतपत्रों की जांच के समय और मतगणना के समय मौजूद होगा ।

(2) जब तक कि सदस्य ने किसी अभिकर्ता को प्राधिकार पत्र जारी नहीं किया है, किसी अभिकर्ता को प्राधिकृत नहीं किया जाएगा ।

(3) प्राधिकार पत्र में सदस्य का पूरा नाम, पता और उसकी संख्या होगी तथा वह रिटर्निंग आफिसर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा ।

(4) रिटर्निंग आफिसर नामनिर्देशन पत्रों, मतपत्रों की जांच और मतगणना के समय, यथास्थिति, सदस्य या उसके अभिकर्ता की उपस्थिति बनाए रखेगा ।

**20. मतदान की प्रक्रिया** - परिषद् के निर्वाचन के लिए मतदान ऐसी रीति में कराया जाएगा जो अनुसूची 4 में उपबंधित है ।

**21. मतपत्रों को अविधिमान्य घोषित करने के आधार** - किसी मतपत्र को निम्नलिखित आधारों पर अविधिमान्य घोषित किया जाएगा, अर्थात् :-

(क) यदि मतदाता मतपत्र पर अपना नाम के हस्ताक्षर करता है या कोई शब्द या अंक लिख देता है या उसपर नियम 17 के उपनियम (2) के खंड (क) के अधीन लगाए गए (✓) के चिन्ह के अतिरिक्त कोई अन्य चिन्ह लगाता है जिसके द्वारा मतपत्र पहचाने जाने योग्य हो जाता है या जिसके द्वारा मतदाता की पहचान की जा सकती है ; या

(ख) यदि वह परिषद् के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन मुद्रित नहीं किया गया है अथवा वह नियम 18 के अधीन मुद्रित मतपत्रों से किसी रीति में भिन्न है ; या

(ग) उसपर कोई चिन्ह नहीं लगाया गया है या लगाया गया चिन्ह शून्य है या स्पष्ट रूप से अवधारित नहीं किया जा सकता ; या

(घ) उसपर रिक्त स्थानों की संख्या से अधिक सही के चिन्ह लगाए गए हैं ; या

(ङ) यदि उसे इस प्रकार छतिग्रस्त या विकृत कर दिया गया है कि सही मतपत्र के रूप में उसकी पहचान स्थापित नहीं की जा सकती ; या

(च) उसे मतदाता को भेजे गए लिफाफे में वापस नहीं किया गया है ।

**22. मतगणना का समय और तारीख** - रिटर्निंग आफिसर, मतपत्रों की प्राप्ति की अंतिम तारीख से पंद्रह दिन पूर्व, वह तारीख और समय निश्चित करेगा जिसपर संस्थान के मुख्यालयों पर मतगणना प्रारंभ होगी और ऐसी तारीख और समय की सूचना लिखित रूप में सभी सदस्यों या उनके अभिकर्ताओं को देगा।

**23. सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति** - परिषद् निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान रिटर्निंग आफिसर की सहायता करने के लिए संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारिवृंद में से दो या अधिक सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति कर सकेगी।

**24. मतगणना और परिणामों की घोषणा** - अनुसूची 5 में विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं के अनुसार मतों की गणना की जाएगी। निर्वाचन के परिणाम संस्थान के वेब-साइट पर घोषित किए जाएंगे और संस्थान के मुख्यालयों के सूचना पट पर प्ररूप च में प्रदर्शित किए जाएंगे।

**25. लोप आदि के कारण निर्वाचन का अविधिमान्य न होना** - कोई भी निर्वाचन मत देने के लिए पात्र सदस्यों की सूची से किसी सदस्य के नाम के किसी लोप या उसे मत देने के लिए अनुज्ञात न करने में किसी गलती के कारण या मत देने के लिए पात्र सदस्यों की सूची में मत देने के लिए गैर हकदार व्यक्ति के नाम को भूलवश सम्मिलित किए जाने के कारण अथवा उसे मत देने के लिए अनुज्ञात करने और निर्वाचन के संचालन में किसी अनियमितता या कमी के कारण जिसके अंतर्गत किसी मतदाता को मतपत्र भेजने में लोप या विलंब भी सम्मिलित है अथवा मतदाता को मतपत्र प्राप्त न होने के कारण या प्राप्त होने में विलंब के कारण अविधिमान्य नहीं माना जाएगा।

**26. रिटर्निंग आफिसर के कर्तव्य** - (1) रिटर्निंग आफिसर निर्वाचन का संचालन इन नियमों के अनुसार करेगा।

(2) रिटर्निंग आफिसर, परिषद् के अनुमोदन से, इन नियमों के अधीन उसके द्वारा पालन किए जाने वाले कर्तव्यों में से किसी कर्तव्य को सहायक रिटर्निंग आफिसरों को प्रत्यायोजित कर सकेगा जिसे वह ठीक समझे।

**27. रिटर्निंग आफिसर के विनिश्चय का अंतिम होना** - जब तक कि इन नियमों में अन्यथा उपबंधित न हो, रिटर्निंग आफिसर का विनिश्चय, निर्वाचन के संचालन से संबंधित सभी मामलों में और ऐसे मामलों के लिए अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया से संबंधित सभी मामलों में जो इन नियमों में विनिर्दिष्ट रूप से वर्णित नहीं हैं, अंतिम होगा।

**स्पष्टीकरण.**- शंकाओं को दूर करने के लिए यह घोषित किया जाता है कि निर्वाचनों के संचालन में मतगणना की प्रक्रिया और परिणामों की घोषणा भी सम्मिलित है।

**28. किसी स्थान में रिक्ति से परिषद् की संरचना विधारित नहीं होगी** - यदि किसी कारण से कोई स्थान निर्वाचन के पश्चात् नहीं भरा जाता है या नहीं भरे जाते हैं तो इससे अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन परिषद् की संरचना का विधारित होना नहीं माना जाएगा।

**29. निर्वाचन व्यय** - (1) ऐसा कोई भी सदस्य जिसका नाम नियम 13 के अधीन नामनिर्देशन पत्रों की अंतिम सूची में सम्मिलित हो चुका है, केन्द्रीय सरकार के परामर्श से नियत की जाने वाली रकम से अधिक व्यय उपगत नहीं करेगा।



(2) ऐसा प्रत्येक सदस्य नियम 24 के अधीन परिषद् के निर्वाचन के परिणामों की घोषणा से पंद्रह दिन के भीतर परिषद् द्वारा यथाअनुमोदित निर्वाचन के लिए उपगत व्ययों का पूर्ण लेखा फाइल करेगा ।

**30. निर्वाचन के संचालन के संबंध में सदस्य के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई** - (1) यदि परिषद् के किसी निर्वाचन के संबंध में कोई सदस्य के संबंध में यह पाया जाता है कि उसने उपनियम (2) के उपबंध या उपनियम (3) के किसी खंड या उपनियम (4) के उपबंध का उल्लंघन किया है तो उसके बारे में यह माना जाएगा कि उसने अधिनियम की अनुसूची के भाग 4 की मद क(2) के अधीन संस्थान की प्रतिष्ठा को गिराया है ।

(2) किसी सदस्य द्वारा निर्वाचन के संबंध में सदस्यों के विधिमान्य नामनिर्देशनों की अंतिम सूची के प्रकाशन की तारीख के पश्चात् केवल एक घोषणा पत्र किया जाएगा ।

(3) उपनियम (2) के अधीन जारी किया गया घोषणा पत्र निर्वाचन की मर्यादा को बनाए रखने के हित में निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुरूप होगा, अर्थात् :-

(क) घोषणा पत्र में सदस्य के बारे में जानकारी अंतर्विष्ट होगी और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी अन्य सदस्य के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया जाएगा ;

(ख) वह सूचना जिसे कोई सदस्य स्वयं के संबंध में घोषणा पत्र में दे सकेगा, नियम 13 के अधीन संस्थान द्वारा मतदाताओं को दी गई जानकारी से किसी भी मुद्दे पर भिन्न नहीं होगी । तथापि, कोई सदस्य ऐसे घोषणा पत्र में नियम 13 के अधीन दी गई जानकारी में सम्मिलित न की गई किसी अतिरिक्त जानकारी को सम्मिलित कर सकेगा ;

(ग) उपनियम (2) के अधीन जारी घोषणा पत्र में मतदाताओं को जाति, समुदाय, धर्म, क्षेत्र या वंशीय रूप से कोई अपील न तो की जाएगी और न कोई लंबे चौड़े दावे किए जाएंगे ;

(घ) घोषणा पत्र का वितरण केवल संस्थान के सदस्यों तक निर्बंधित रखा जाएगा ;

(ङ) ऐसे घोषणा पत्र की प्रमाणित प्रति स्पीड पोस्ट या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या संवाहक के माध्यम से उसे जारी किए जाने के पंद्रह दिन के भीतर रिटर्निंग आफिसर को भेजी जाएगी ;

(च) जब कोई परिषद् का सदस्य उपनियम (2) के अधीन जारी किए गए घोषणा पत्र को उसकी अंतर्वस्तु में कोई परिवर्तन किए बिना किसी रूप में दोहराएगा तब वह एक से अधिक घोषणा पत्र जारी नहीं करेगा ।

(4) कोई सदस्य परिषद् के निर्वाचन के संबंध में निम्नलिखित किसी आचरण को नहीं अपनाएगा, अर्थात् :-

(i) (क) किसी निर्वाचन में सदस्य के रूप में निर्वाचन लड़ने या निर्वाचन न लड़ने के लिए किसी सदस्य को उत्प्रेरित करने अथवा किसी कार्य या लोप के लिए उसे ईनाम देने ; या

(ख) परिषद् की सदस्यता से वापस लेने के लिए उत्प्रेरित करने या ऐसी वापसी के लिए ईनाम देने ; अथवा

(ग) किसी मतदाता को किसी निर्वाचन में मत देने या मत न देने के लिए उत्प्रेरित करने अथवा किसी कार्य या लोप के लिए ईनाम देने के

प्रत्यक्षतः या परोक्षतः उद्देश्य से किसी व्यक्ति को किसी सदस्य द्वारा या उसकी मौनानुकूलता से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई रिश्वत अर्थात् कोई दान या परितोषण या उसकी प्रस्थापना करना या उसका वायदा ;

**स्पष्टीकरण.-** इस खंड के प्रयोजन के लिए “परितोषण” के अंतर्गत पार्टियों का आयोजन करना या किसी अन्य प्रकार का मनोरंजन प्रदान करना और पुरस्कार के रूप में सभी प्रकार का नियोजन भी है किन्तु इसके अंतर्गत निर्वाचन में या निर्वाचन के प्रयोजन के लिए उपगत किया गया कोई सदभाविक व्यय का संदाय सम्मिलित नहीं है जहां धन के रूप में कोई परितोषण तक निर्बंधित नहीं है ;

(ii) असम्यक् प्रभाव अर्थात् किसी मताधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में किसी सदस्य की ओर से या उसकी मौनानुकूलता से किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप अथवा हस्तक्षेप करने का प्रयत्न ;

(iii) किसी अभ्यर्थी के निजी चरित्र या आचरण के संबंध में अथवा उसकी सदस्यता के संबंध में या उस अभ्यर्थी द्वारा सदस्यता वापस लिए जाने के संबंध में ऐसे किसी कथन का किसी सदस्य द्वारा या उसकी मौनानुकूलता से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रकाशन जो मिथ्या है और जिसके बारे में या तो वह यह विश्वास करता है कि वह मिथ्या है अथवा उसके सत्य होने के बारे में वह विश्वास नहीं करता और वह कथन युक्तियुक्त रूप से उस सदस्य के निर्वाचन की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए परिकल्पित है ।

(iv) किसी अभ्यर्थी द्वारा या उसकी मौनानुकूलता से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सदस्य के निर्वाचन की संभावनाओं को अग्रसर करने के लिए भारत सरकार या राज्य सरकार के अधीन सेवारत किसी व्यक्ति से, ऐसे व्यक्ति द्वारा मत देने के अलावा यदि वह मत देने के लिए हकदार सदस्य है, कोई सहायता अभिप्राप्त करना या उपाप्त करना अथवा अभिप्राप्त या उपाप्त करने के लिए दुष्प्रेरित करना या प्रयत्न करना ;

(v) इन नियमों के अधीन रिटर्निंग आफिसर द्वारा निर्वाचनों से संबंधित किसी विषय के संबंध में जारी किसी निदेश या परिपत्र या अनुदेश का अननुपालन ;

(vi) किसी राजनैतिक दल का प्रतिनिधित्व करते हुए निर्वाचन लड़ना ;

(vii) किसी सदस्य द्वारा कोई परितोषण प्राप्त करना या पारितोषण प्राप्त करने के लिए करार करना, अर्थात् :-

(क) सदस्य के रूप में खड़े होने या न खड़े होने के लिए उत्प्रेरणा या पुरस्कार के रूप में ; या

(ख) अपनी अभ्यर्थिता वापस लेने के लिए उत्प्रेरणा या पुरस्कार के रूप में ; या

(ग) मत देने या मत देने से विलग रहने के लिए स्वयं के लिए अथवा किसी अन्य व्यक्ति के लिए उत्प्रेरणा या पुरस्कार के रूप में ; या

- (घ) किसी मतदाता को मत देने के लिए या मतदान से विरत रहने के लिए उत्प्रेरित करने अथवा उत्प्रेरित करने का प्रयास करने या उत्प्रेरणा या पुरस्कार के रूप में ; या
- (ङ) परिषद् के किसी सदस्य को अपनी सदस्यता वापस लेने के लिए उत्प्रेरित करना या उत्प्रेरित करने का प्रयत्न करना ;
- (viii) इन नियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन या दुरुपयोग अथवा इन नियमों के किन्हीं उपबंधों का पालन करते समय ऐसा कोई कथन करना जिसे वह मिथ्या जानता है या उसका सत्य न होना जानता है ;
- (ix) खंड (i) से लेकर (viii) तक में विनिर्दिष्ट कोई कार्य जब वह ऐसे सदस्य द्वारा किया गया हो जो सदस्य नहीं हैं किन्तु उस सदस्य की सहमति या मौनानुकूलता से किया गया हो ।

#### अनुसूची 1

[ नियम 6 का उपनियम (1) देखिए ]

#### मतदाता सूची

1. क्रम संख्या :-
2. सदस्य का पूरा नाम :-
3. मतदाता अध्येता है या सहयुक्त सदस्य :-
4. पता :-
5. मतदाता द्वारा संस्थान को दिए गए इंटरनेट पते या ई-मेल पते के ब्यौरे, बशर्ते मतदाता द्वारा मतदाता सूची में उसे सम्मिलित किए जाने के लिए अभिव्यक्त सहमति दी गई हो :-

मुद्रा सहित रिटर्निंग आफिसर के हस्ताक्षर

## अनुसूची 2

[ नियम 9 का उपनियम (3) देखिए ]

**नामनिर्देशन के साथ दिए जाने वाले कथन में सम्मिलित की जाने वाली जानकारी**

1. सदस्य के नामनिर्देशन के साथ सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित एक कथन दिया जाएगा जिसमें निम्नलिखित जानकारी अंतर्विष्ट होगी, अर्थात् :-

(क) मतदाता का नाम, सदस्यता संख्या और उसकी क्रम संख्या जो मतदाता सूची में वर्णित हैं :-

(ख) जन्म तिथि :-

(ग) वह तारीख जिसको वह अध्येता बना :-

(घ) क्या वह भारत का नागरिक है :-

(ङ) क्या वह किसी वृत्तिक या अन्य अवचार का दोषी पाया गया है और परिणामस्वरूप ' जुर्माने की शास्ति' अधिरोपित की गई है और वह नामनिर्देशन की तारीख को बरकरार है :-

(च) यदि (ङ) का उत्तर सकारात्मक है तो निम्नलिखित ब्यौरे दें, जहां भी लागू हो (ऐसे प्रत्येक अवचार के लिए पृथक रूप से ब्यौरा दें जिसके लिए दोषी पाया गया है) :-

(i) वह अपराध जिसके लिए वह दोषी पाया गया है :-

(ii) धिग्दंड की तारीख :-

(iii) वह तारीख जिससे उसका नाम उपरोक्त अर्हता के कारण रजिस्टर से हटा दिया गया था :-

(iv) नाम हटाए जाने की कुल अवधि :-

(v) वह तारीख जिसको नाम हटाए जाने की अवधि समाप्त हो गई :-

(vi) क्या नाम का हटाया जाना अधिनियम की अनुसूची के अंतर्गत आने वाले अवचार के कारण था :-

(vii) वह तारीख जिसको जुर्माने की शास्ति अधिरोपित की गई थी :-

(viii) जुर्माने की शास्ति की रकम :-

(ix) वह तारीख जिसको अधिनिर्णित जुर्माने की शास्ति का संदाय किया गया था :-

(x) वह तारीख जिस तक परिषद् के निर्वाचनों के लिए खड़े होने पर निर्बंधन अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) के परंतुक के निबंधनानुसार समाप्त हो गया :-

(छ) परिषद् की, पूर्व की और वर्तमान की सदस्यता के ब्यौरे जिनके अंतर्गत संस्थान के अध्यक्ष और/या उपाध्यक्ष का पद धारण करना भी सम्मिलित है :-

(ज) क्या वह नियम 7 के स्पष्टीकरण के खंड (ii) में यथापरिभाषित केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई पद धारण किए हुए हैं ।

2. पैरा 1 में निर्दिष्ट कथन में, सदस्य के विकल्प पर, निम्नलिखित की बाबत सदस्य से संबंधित जानकारी दी जा सकेगी :-

(क) शैक्षणिक अर्हताएं (डिप्लोमा - जिसके अंतर्गत अर्हता इतर डिप्लोमा तथा डिग्रियां और परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त वृत्तक निकायों की सदस्यता भी है) ;

(ख) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों या वृत्तिक निकायों की परीक्षाओं में और संस्थान द्वारा ली गई परीक्षाओं में योग्यता पुरस्कार (पहले तीन स्थानों तक सीमित) ;

(ग) उपजीविका की विशिष्टियां ;

(i) नियोजन (वर्तमान नियोजक के नाम सहित पद नाम) :-

(ii) व्यवसाय (एकल स्वत्वधारी या भागीदारी जिसके अंतर्गत फर्म का नाम भी है) ;

(iii) यदि उपरोक्त (i) और (ii) के अंतर्गत नहीं आता है तो अन्य उपजीविका या नियोजन की विशिष्टियां :-

सदस्य के हस्ताक्षर

(नाम और पता)

### अनुसूची 3

[नियम 13 का उपनियम (3) देखिए]

1. अंतिम सूची में निर्वाचन लड़ने वाले सदस्य की विशिष्टियां - नामनिर्देशनों की अंतिम सूची के साथ निर्वाचन लड़ने वाले सदस्य की निम्नलिखित विशिष्टियां उस सीमा तक दी जाएंगी जिस तक वे सदस्य द्वारा नियम 9 के उपनियम (3) के अधीन दी गई हैं, अर्थात् :-

(क) मतदाता सूची के अनुसार मतदाता का नाम, सदस्यता संख्या और उसकी क्रम संख्या :-

(ख) जन्म तिथि :-

(ग) वह तारीख जिसको वह अध्येता बना :-

(घ) क्या वह भारत का नागरिक है :-

(ङ) क्या वह किसी वृत्तिक या अन्य अवचार का दोषी पाया गया है, उसके ब्यौरे जैसे कि अवचार की प्रकृति और दिया गया दंड :-

(च) परिषद् की, पूर्व की और वर्तमान की सदस्यता के ब्यौरे जिनके अंतर्गत संस्थान के अध्यक्ष और/या उपाध्यक्ष का पद धारण करना भी सम्मिलित है :-

(छ) शैक्षणिक अर्हताएं (डिप्लोमा - जिसके अंतर्गत अर्हता इतर डिप्लोमा तथा डिग्रियां और परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त वृत्तिक निकायों की सदस्यता भी है) ;

(ज) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों या वृत्तिक निकायों की परीक्षाओं में और संस्थान द्वारा ली गई परीक्षाओं में योग्यता पुरस्कार (पहले तीन स्थानों तक सीमित) ;

(झ) उपजीविका की विशिष्टियां ;

1. नियोजन (वर्तमान नियोजक के नाम सहित पद नाम) :-

2. व्यवसाय (एकल स्वत्वधारी या भागीदारी जिसके अंतर्गत फर्म का नाम भी है) ;

3. यदि उपरोक्त (i) और (ii) के अंतर्गत नहीं आता है तो अन्य उपजीविका या नियोजन की विशिष्टियां :-

**2. रिटर्निंग आफिसर द्वारा रखा जाने वाला अभिलेख** - रिटर्निंग आफिसर, मतपत्र भेजते समय, मत देने के लिए पात्र सदस्यों की सूची में मतदाता के नाम के सामने यह उपदर्शित करने वाला चिन्ह लगाएगा कि मतदाता को मतपत्र भेजा जा चुका है।

**3. मत पेटी** - मत पेटी इस प्रकार संनिर्मित होगी कि उसमें डाला गया मतपत्र (मतपत्र का ताला खोले बिना या सील तोड़े बिना) उससे वापस न निकाला जा सके।

#### अनुसूची 4

[नियम 20 देखिए]

#### मतदान की प्रक्रिया

**1. रिटर्निंग आफिसर द्वारा मतपत्र को डाक से भेजा जाना** - (1) रिटर्निंग आफिसर, नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (ड) के उपबंध के अधीन मतदाताओं से वापस मतपत्रों की प्राप्ति के लिए घोषित अंतिम तारीख और समय से कम से कम इक्कीस दिन पूर्व, मतदाताओं को मतपत्र और प्ररूप क में अंतर्विष्ट अनुदेश जिनमें उस रीति को जिसमें उस पर मत अभिलिखित किया जाएगा, और उस रीति को स्पष्ट किया गया हो जिसमें अभिलिखित मतपत्र वापस किए जाएंगे तथा वह तारीख और समय विनिर्दिष्ट किया जाएगा जिस तक वह रिटर्निंग आफिसर तक पहुंचेगा, डाक प्रमाण पत्र के अधीन डाक द्वारा भेजेगा।

(2) यदि मतदाता भारत से बाहर निवास करता है तो मतपत्र वायु डाक द्वारा डाक प्रमाण पत्र के अधीन डाक द्वारा मतपत्रों की प्राप्ति के लिए घोषित अंतिम तारीख और समय से कम से कम तीस दिन पूर्व भेजे जाएंगे।

**2. अपरिदत्त और नए मतपत्रों का जारी किया जाना** - (1) जहां मतपत्र किसी कारण से अपरिदत्त वापस आ जाता है वहां रिटर्निंग आफिसर मतपत्र को मतदाता द्वारा किए गए अनुरोध पर डाक प्रमाण पत्र के अधीन डाक द्वारा पुनः भेजेगा।

(2) यदि कोई मतदाता उसे भेजे गए मतपत्र के साथ अनवधानता से ऐसी रीति में व्यवहार करता है कि उनका आसानी से उपयोग नहीं किया जा सकता तो उसे, उसके द्वारा खराब किए गए मतपत्र वापस कर दिए जाने के पश्चात्, एक नया मतपत्र भेजा जाएगा और उस अनवधानता के संबंध में रिटर्निंग आफिसर का समाधान करना होगा।

(3) रिटर्निंग आफिसर इस प्रकार वापस किए गए खराब मतपत्र को रद्द करेगा और उसे पृथक पैकेट में रखेगा तथा ऐसे मतपत्रों की गिनती करने के पश्चात् उन्हें एक पैकेट में रखेगा।

**3. मतपत्रों की समय से प्राप्ति** - मतपत्रों से युक्त सभी पैकेट प्ररूप 6 के अनुसार बाह्य आवरण के साथ रिटर्निंग आफिसर को संबोधित किए जाएंगे और रिटर्निंग आफिसर या सहायक रिटर्निंग आफिसर तदुपरांत आवक रजिस्टर में ऐसे पैकेट की प्राप्ति की तारीख और समय की प्रविष्टि करेगा और तब मतपेटी में डालेगा तथा ऐसे मतपत्रों को जो उसे विनिर्दिष्ट तारीख और समय तक प्राप्त नहीं होते हैं, एक तरफ रख देगा तथा ऐसे मतपत्रों को, पैकेट पर ऐसे मतपत्रों की संख्या डालते हुए पैकेट में एक साथ रखेगा।

## अनुसूची 5

[नियम 24 देखिए]

**मतगणना की प्रक्रिया और परिणामों की घोषणा**

**1. मतगणना** - मतगणना के प्रयोजन के लिए नियम 12 के अधीन नियत तारीख, समय और स्थान पर रिटर्निंग आफिसर निम्नलिखित प्रक्रमों पर होकर क्रमबद्ध रूप से गुजरेगा, अर्थात् :-

(क) परिषद् के सदस्य और उसके अभिकर्ता को मतगणना के समय उपस्थित रहने के लिए अनुज्ञात करेगा, उनका इस बारे में समाधान करने के लिए कि मतपेटी और सील यथावत है, मतपेटी और सील का निरीक्षण करने का अवसर देगा ;

(ख) यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि मतपेटी सही सलामत है तो,-

(i) मतपेटी खोली जाएगी और मतपत्रों से युक्त लिफाफों को उससे बाहर निकाला जाएगा तथा उनकी गणना की जाएगी और विवरण में उनकी संख्या अभिलिखित की जाएगी ;

(ii) परिषद् के सदस्य या उसके अभिकर्ता को मतगणना के समय मतपत्रों से युक्त लिफाफों का निरीक्षण करने के लिए और उनका इस बारे में समाधान करने के लिए अनुज्ञात करेगा कि वे सही सलामत हैं किन्तु उन लिफाफों पर कोई कार्रवाई करने के लिए अनुज्ञात नहीं करेगा ;

(ग) उन लिफाफों को एक तरफ करेगा जो अनुसूची 4 के पैरा 1 के अनुसार प्राप्त नहीं हुए हैं ;

(घ) उन लिफाफों के ऊपर लगे बाह्य आवरणों प्ररूप छ को खोलेगा जिनमें मतपत्र हैं ;

(ङ) ऐसे लिफाफों को अलग करेगा जिनमें एक से अधिक मतपत्र के लिफाफे हैं ;

(च) मतपत्र के लिफाफों को खोलेगा और प्रत्येक लिफाफे से मतपत्रों को निकालेगा तथा विवरण में उनकी संख्या अभिलिखित करेगा ; और उन मतपत्रों का एक पृथक पैकेट तैयार करेगा ;

(छ) मतपत्रों की जांच की जाएगी और नियम 21 के अनुसार किसी अविधिमान्य मतपत्रों को खारिज करेगा ;

(ज) रिटर्निंग आफिसर, किसी मतपत्रों को खारिज करने से पूर्व, परिषद् के प्रत्येक सदस्य या उसके प्रतिनिधि को मतपत्र का निरीक्षण करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करेगा किन्तु उसे उसके साथ व्यक्तिगत रूप से कोई कार्रवाई करने या किसी अन्य मतपत्र के साथ कार्रवाई करने के लिए अनुज्ञात नहीं करेगा ;

(झ) रिटर्निंग आफिसर ऐसे प्रत्येक मतपत्र पर जिसे वह खारिज करता है, ' खारिज किया गया' शब्द और खारिजी के आधारों को या तो अपने हस्तलेख में या रबर स्टाम्प के माध्यम से संक्षिप्त रूप में पृष्ठांकित करेगा ;

(ञ) इस नियम के अधीन खारिज किए गए सभी मतपत्रों को एक साथ एक बंडल में बांधा जाएगा ;

(ट) रिटर्निंग आफिसर तब खारिज किए गए मतपत्रों की संख्या की गिनती करेगा और उस संख्या को लेखबद्ध करेगा ;

(ठ) रिटर्निंग आफिसर प्राप्त मतपत्रों का पुनर्मिलाप करेगा ।

**2. बराबर की स्थिति में प्रक्रिया** - जब मतगणना के पश्चात् किन्हीं अभ्यर्थियों के बीच बराबर की स्थिति पाई जाती है तब बराबर की स्थिति वाले अभ्यर्थियों के बीच लॉटरी निकाली जाएगी और सफल अभ्यर्थी को एक अतिरिक्त मत प्राप्त हुआ माना जाएगा ।

**3. पुनः मतगणना के लिए उपबंध** - परिषद् का कोई सदस्य या उसकी अनुपस्थिति में उसका अभिकर्ता, मतगणना के दौरान किसी समय रिटर्निंग आफिसर से परिषद् के सभी या किसी सदस्य के मतों की पुनः जांच करने या पुनः मतगणना करने के लिए लिखित अनुरोध ऐसी पुनः मतगणना की मांग करने के आधारों के साथ कर सकेगा और सदस्य का ऐसा अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात् रिटर्निंग आफिसर उनकी पुनः जांच या पुनः मतगणना कर सकेगा यदि वह यह पाता है कि दिए गए कारण मतगणना कराए जाने के लिए पर्याप्त हैं ।

**4. अध्यक्ष को रिपोर्ट** - मतगणना पूरी होने के पश्चात् रिटर्निंग आफिसर एक विवरण तैयार करेगा जिसमें परिषद् के प्रत्येक सदस्य द्वारा प्राप्त मतों की संख्या दर्शित की जाएगी । उक्त विवरण में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त मतों की संख्या को अवरोही क्रम में दिया जाएगा । रिटर्निंग आफिसर अध्यक्ष को मतगणना के परिणाम प्ररूप ड में और मतगणना प्रक्रिया के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसके अंतर्गत उसे प्राप्त मतपत्रों से युक्त लिफाफों का पुनर्मिलाप भी है ।

प्ररूप क

[नियम 8 देखिए]

#### मतदाताओं के लिए मतपत्र भरने के संबंध में दिशानिर्देश

सभी अध्येता और सहयुक्त सदस्यों के लिए

प्रिय सदस्य,

संदर्भ : परिषद् (.....) का निर्वाचन

उन y रिक्तियों को भरने के लिए जो खाली हुई हैं, वर्णानुक्रम में रखे गए निम्नलिखित x विधिमान्य नामनिर्देशन प्राप्त हुए हैं ।

1.		2.	
3.		4.	
5.		6.	
7.			

चूंकि परिषद् के सदस्यों के निर्वाचन के लिए नियमों के अनुसार नामनिर्देशनों की संख्या रिक्त स्थानों की संख्या से अधिक है इसलिए रिक्त स्थानों को भरने के लिए x सदस्यों को निर्वाचित करने के लिए निर्वाचन कराना आवश्यक है ।



इसके साथ मतपत्र संलग्न है जिसमें निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों के नाम दिए गए हैं। निर्वाचन लड़ने वालों के संबंध में संक्षिप्त ब्यौरा भी संलग्न है। निर्वाचन पद्धति निम्न प्रकार है :

1. कृपया उस अभ्यर्थी के नाम के सामने जिसे आप मत देना चाहते हों, सही का चिन्ह लगाकर अपना विकल्प इंगित करें।
2. कृपया x अभ्यर्थियों से अधिक के सामने सही का चिन्ह नहीं लगाएं। तथापि, आप x अभ्यर्थियों से कम के लिए सही का चिन्ह लगा सकते हैं।
3. x अभ्यर्थियों से अधिक के सामने सही का चिन्ह लगाने से आपका मतपत्र अविधिमान्य हो जाएगा।
4. कृपया मतपत्र पर हस्ताक्षर न करें या कोई अन्य उपदर्शन न लगाएं।
5. ऊपर वर्णित रूप में अपना विकल्प उपदर्शित करने के पश्चात् कृपया मतपत्र को संलग्न गुलाबी रंग के लिफाफे में रखें जो हमारे द्वारा प्रदान किया गया है और उसे बंद कर दें। कृपया इस लिफाफे पर कुछ न लिखें।
6. कृपया उस रंगीन बंद लिफाफे को जिसमें मतपत्र रखा हुआ है, सफेद लिफाफे में रख दें और उस पर रिटर्निंग आफिसर को नाम से संबोधित करें तथा उसे बंद कर दें। कृपया सफेद लिफाफे के बाह्य फ्लैप पर, जब वह बंद हो जाए, स्पष्ट रूप से अपना नाम, अपनी सदस्यता का वर्ग और अपने नाम के ऊपर हस्ताक्षर कर दें। यह मतदाता सूची से उसकी पहचान के लिए है। यदि कोई सदस्य फ्लैप पर अपना नाम और हस्ताक्षर करने में असफल रहता है तो वह मतपत्र अविधिमान्य माना जाएगा।
7. सफेद लिफाफा रिटर्निंग आफिसर के पास दिन-मास-वर्ष को सायं 5.00 बजे तक पहुंच जाना चाहिए। इस तारीख/समय के पश्चात् प्राप्त मतपत्र से युक्त लिफाफों को अविधिमान्य माना जाएगा।

आपका,

रिटर्निंग आफिसर

मुद्रा

टिप्पण : केवल संलग्न मतपत्र जो सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित किया गया है, स्वीकार किया जाएगा।

प्ररूप ख

[नियम 9 का उपनियम (1) देखिए]

वर्ष..... के लिए परिषद् के निर्वाचन हेतु नामनिर्देशन का प्ररूप

मैं, ..... जो संस्थान का अध्येता सदस्य हूँ, संस्थान की परिषद् के सदस्य के रूप में निर्वाचित किए जाने की अपनी इच्छा व्यक्त करता हूँ।

तारीख :

सदस्य के हस्ताक्षर

मैं, ..... जो संस्थान का अध्येता/सहयुक्त सदस्य हूँ, संस्थान की परिषद् के सदस्य के रूप में निर्वाचन हेतु श्री ....., अध्येता सदस्य का प्रस्ताव करता हूँ।

तारीख :

प्रस्तावक के हस्ताक्षर

मैं, ..... जो संस्थान का अध्येता/सहयुक्त सदस्य हूँ, उपरोक्त प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

तारीख :

समर्थक के हस्ताक्षर

प्ररूप ग

[नियम 11 देखिए]

संस्थान का प्रतीक

निर्वाचन लड़ने वाले सदस्यों की सूची

क्रम सं.	निर्वाचन लड़ने वाले सदस्य का नाम	निर्वाचन लड़ने वाले सदस्य के नमूना हस्ताक्षर
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		

मुद्रा सहित रिटर्निंग आफिसर के हस्ताक्षर

प्ररूप घ

[नियम 12 देखिए]

संस्थान का प्रतीक

परिषद् के निर्वाचन से सदस्यता वापस लेने की सूचना

मैं, ..... जो संस्थान का अध्यक्ष/सहयुक्त सदस्य हूँ, परिषद् के तारीख..... के निर्वाचन से अपनी सदस्यता वापस लेता हूँ।

तारीख :

सदस्य के हस्ताक्षर

सदस्यता संख्या

पता :

प्ररूप ड  
 [नियम 18 देखिए]  
 संस्थान का प्रतीक  
 परिषद् के निर्वाचन के लिए मतपत्र  
 (नाम वर्णानुक्रम में हैं)

क्रम सं.	सदस्य का नाम	मत *
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		

\* कृपया उस सदस्य के नाम के सामने सही का चिन्ह लगाएं जिसे आप मत दे रहे हैं। x से अधिक सही के निशान मतपत्र को अविधिमान्य कर देंगे।

प्ररूप च

[नियम 24 देखिए]

परिषद् XXXX के निर्वाचन के परिणाम

रिटर्निंग आफिसर ने दिन-मास-वर्ष को पूरे हुए निर्वाचन की प्रक्रिया पर नियमों की अनुसूची 5 के खंड (4) के निबंधनानुसार अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

परिषद् में yy शक्तियों को भरने के लिए Xx नामनिर्देशन प्राप्त हुए थे और नियमों के उपबंधों के अनुसार निर्वाचन हुआ था।

अभ्यर्थियों और उनके पक्ष में पड़े मतों की संख्या को अवरोही क्रम में इस प्रकार दर्शित किया गया है :

क्रम सं.	अभ्यर्थी का नाम और पता	पड़े मतों की संख्या	अभिलिखित मतों की संख्या	रद्द मतों की संख्या
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				

मुद्रा सहित रिटर्निंग आफिसर के हस्ताक्षर

प्ररूप छ

[अनुसूची 4 देखिए]

रिटर्निंग आफिसर को नाम से संबोधित बाह्य आवरण

डाक टिकट

मतपत्र - मतगणना से पूर्व नहीं खोला जाना चाहिए

श्री.....

रिटर्निंग आफिसर,

भारतीय बीमांकक संस्थान,

302, ग्लोब चैम्बर्स, 142, फोर्ट स्ट्रीट,

कार्यालय डी.एन.रोड, फोर्ट, मुम्बई-400001.

[फा. सं. एम.-18012/02/2007-संस्था-III]

तरुण बजाज, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 2008

**G.S.R. 494(E).**— In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (2) of section 55, read with sub-section (2) of section 12, of the Actuaries Act, 2006, (35 of 2006), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

**1. Short title and commencement .—** (1) These rules may be called the Actuaries (Election to the Council) Rules, 2008.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Definitions -** (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006);

(b) "Form" means form annexed to these rules;

(c) "member" means the member who is eligible to contest the election to the council; and the term "membership" shall be construed accordingly;

(d) "Returning Officer" means the Executive Director of the Institute, appointed by the Council under section 20 of the Act, or, in case the post of Executive Director is vacant, any officer of the Institute designated by the Council for the purpose of conduct of elections;

(e) "Schedule" means the Schedule annexed to these rules.

(2) Words and expressions used herein and not defined in these rules but defined in the Act shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

**3. Number and term of elected member.-** There shall be twelve members from amongst the fellow members to be elected to the Council by the fellow members and the associate members of the Institute under clause (a) of sub-section (2) of section 12 of the Act

**4. Dates of election of member to the Council .-** (1) The election to the Council shall be held by Postal Ballot.

(2) The Returning Officer shall publish on the web-site of the Institute and the Notice Board of the head-quarters of the Institute, at least three months before the date of declaration of result of election to the Council from the dates fixed for the following stages of election to the Council, namely,—

(a) the last date and time for receipt of nominations shall not be less than twenty one days from the date of the publication on the web-site of the Institute or the Notice Board of the head quarters of the Institute;

(b) date of scrutiny of nominations shall not be more than three days from the last date for receipt of nomination fixed under clause (a) ;

(c) the last date and time for withdrawal of nomination shall be made within seven days from the date for scrutiny of nomination fixed under clause (b) ;

(d) the date on which the ballot papers shall be sent to the voters;

(e) the last date and time for receipt of ballot papers from voters;

(f) the date of counting of votes;

(g) the date of declaration of results.

(3) If due to unavoidable circumstances the date fixed for election under sub-rule (2) shall not be held, the Returning Officer may announce a fresh date and publish on the web-site of the Institute and on the Notice Board at its headquarters of the Institute

Provided that the announcement of such fresh date shall be published at least ten days before the revised date except for change in dates under sub-clauses (f) and (g) of sub-rule 2.

(4) If the Institute is closed on the last day of the specified period, the act shall be considered as done or taken in due time if it is done or taken on the next day on which the institute is open.

**5. Member eligible to vote** - Subject to other provisions of the Act and these rules, a member, whose name is borne on the Register on the 1st day of April of the financial year in which the election to the Council is to be taken place, shall be eligible to vote in the election:

Provided that a member shall not be eligible to vote in the election of his name has been removed from the Register on the date of publication of the list of voters.

**6. List of voter.**- (1) Before the forty five days of last date of receipt of nominations , the Returning Officer shall publish a list of voters eligible to vote, as specified in Schedule 1.

(2) The list of voters shall be made available at the head quarters of the Institute on payment of such price as may be fixed by the Council.

(3) The inclusion of the name of a member in the list of voters shall not confer an absolute right to vote at the election which shall be subject to the other provisions of the Act, these rules or as the case may be, regulations.

(4) An announcement about the availability of the list as per sub-rule (2) shall be published on the web-site of the Institute and as the Notice Board at the headquarters of the Institute.

(5) If a clerical mistake or omission is detected in the list of voters published under sub-rule (1), the Returning Officer may rectify the same till the last day of receipt of nominations by issuing of a corrigendum.

**7. Member eligible to contest to the election .-** (1) Subject to other provisions of these rules, a member, who is a fellow on the first day of April of the financial year in which an election is to be held and whose name continues to be borne on the Register on the last date of scrutiny of nominations under sub rule (2) of rule 4, shall be eligible to contest for election to the Council:

Provided that a member shall not be eligible to contest for election to the Council, if:-

a) he has been found guilty of any professional or other misconduct and his name is removed from the Register or he has been awarded penalty of fine as provided in section 30 of the Act and the period specified in the proviso under clause (a) of sub-section (2) of section 12 of the Act has not expired ; or

(b) he is holding a post under the Central Government or the State Government as provided in sub-section (3) of section 12 of the Act; or

(c) he has held the office during the just preceding three consecutive terms as provided under sub-section (1) of section 14 of the Act ; or,

(d) he has been elected as President under sub-section (1) of section 17 of the Act and has held that office for a period of not less than one year.

Explanation.- For the purposes of this rule ,-

(I) the penalties awarded to a person before coming into force of the Act, or penalties awarded to a person after the commencement of the Act, for offences committed earlier shall also be taken into account for the purpose of attracting disqualification under clause (a) of the proviso;

(II) a person drawing salary from the Consolidated Fund of India or the Consolidated Fund of a State shall be deemed to be a person holding a post under the Central Government or the State Government as the case may be, for the purpose of attracting disqualification under clause (b) of the proviso;

(III) the number of term(s) of office held by a person as a member of the Council either under clause (a) or under clause (b) or partly under clause (a) and partly under clause (b) of sub-section (2) of section 12 of the Act, prior to the commencement of the Act, shall not be taken into account for the reckoning of the three consecutive terms for the purpose of disqualification under clause (c) of the proviso;

(IV) the holding of the office of the President of the Society under sub-section (1) of section 17 of the Act prior to the commencement of the Act shall also not be taken into account for the purpose of attracting disqualification under clause (d) of the proviso;

**8. Number of members to be elected.-** The Council shall, before the forty five days of last date of receipt of nominations, publish on the web-site of the Institute in Form A regarding the number of members to be elected and calling for nominations of candidates for election by the date and time published under sub rule (2) of rule 4.



**9. Nomination Paper.-** (1) Every nomination paper for election to the Council shall be completed in Form B and presented before the Returning Officer not later than 5 p.m. on the date fixed for filing of nomination paper under rule 4;

Provided that a failure to complete or defect in completing in Form B shall not be deemed to be defect of a substantial character.

(2) A member may file two complete nomination papers for the election to the Council.

(3) The Returning Officer or any person authorized by him in this behalf shall receipt the nomination papers along with the information as specified in Schedule 2 and shall acknowledge on the nomination papers with date and time.

**10. Scrutiny of nomination paper-** (1) If, on scrutiny, the nomination paper is found to be in order, the Returning Officer shall accept it and give a serial number thereto.

(2) If, on scrutiny, the nomination paper is found to be defective and the defect is formal in nature, the Returning Officer may allow the member to rectify the same in his presence, and; if the defects are,-

- (i) the member is eligible to contest the election to the Council under rule 7; or
- (ii) the proposer of the seconder is not eligible to be proposer or, as the case may be seconder to the member file nomination papers; or
- (iii) the signature of the member or proposer or seconder is genuine; or
- (iv) the nomination paper is not as per the provisions of rule 9,

the Returning Officer may allow time, as he deems fit, to rectify the nomination paper;

(3) If, on scrutiny, the nomination paper is found to be defective and not rectifiable, the Returning Officer shall reject the nomination paper

**11. Preparation of lists of contesting members.-** (1) The list of contesting member to be elected to the Council shall be in Form C and shall contain the particular set out therein.

(2) The names of the member as per list prepared under sub-rule (1) shall be arranged alphabetically with complete address.

(3) Every member or his election agent shall forth with be forwarded the list of contesting members to the members with a specimen signature thereon by the Returning Officer.

**12. Withdrawal of candidature** (1) If a member wants to withdraw his membership from election to the Council, he shall give a notice in Form D and, on receipt of such notice, the Returning Officer shall note thereon the place, date and time at which it was received.

(2) No member who has given a notice under sub-rule (1) shall be allowed to cancel or withdraw that notice.

(3) Before three days of the last date of withdrawal of nomination fixed under clause (c) of sub rule (2) of rule 4 the Returning Officer shall intimate, the name of such members who have withdrawn their membership, to the other members contesting for election to the Council.

**13. Intimation of final list of nominations to candidates and voters.-** (1) The Returning Officer shall delete the name of members who withdraw his membership from the list of valid nomination papers and send the final list of nominations papers by post under certificate of posting to all members contesting for election to the Council.

(2) The final list prepared by the Returning Officer shall be publish on the web-site of the Institute and on the Notice Board of headquarters of Institute.

(3) The final list shall be accompanied by particulars of all contesting members as are compiled, prepared and presented in accordance with Schedule 3 by the Returning Officer.

Provided that if any manifest errors noticed by the Returning Officer in the particulars furnished by the member, the Returning Officer may correct it.

(4) The particulars required under sub-rule (3) shall prominently indicate that they are compiled on the basis of the particulars furnished by the member as per Schedule 2 and that no responsibility is acceptable as to the said particulars.

**14. Election Code of Conduct-** (1) With a view to maintain a healthy and peaceful atmosphere during the election process for ensuring a free and fair election, the Returning Officer shall, as approved by the Council, issue an Election Code of Conduct for members, before making the announcement under sub rule (2) of rule 4, and shall place Election Code of Conduct on the web-site of the Institute.

(2) The Election Code of Conduct shall contain instructions and norms for election to the Council and such Election Code of Conduct shall be followed by the member and his authorized agent during the election to the Council.

(3) The Election Code of Conduct shall come into force from the date of issue of publication referred under sub-rule (2) of rule 4 and it shall be obligatory on the part of every member to comply the provisions of Election Code of conduct.

**15. Death of a member.-** (1) If a member dies before date of dispatch of ballot papers but after the date fixed for the withdrawal of membership under rule 12 and his nomination is or has been accepted as valid, his name shall be deleted from the list of members contesting the election.

(2) If a member dies and it is known to the Returning Officer, after the commencement of the process of casting votes but before the commencement of the counting, the votes cast for the deceased member shall be ignored.

(3) If a member dies and it is known to the Returning Officer, after commencement of the counting and before declaration of results, the votes polled in favour of the deceased member shall be ignored.

(4) If a member dies and it is known to the Returning Officer, after declaration of results in which he has been declared elected, then the resultant vacancy shall be filled as per the provisions of sub-section (3) of section 18 of the Act.

**16. Members deemed to be elected if their number is equal to or less than the number of members to be elected. -** (1) Where the number of members filed nomination paper is equal to or less than the number of members to be elected, on the

date of issue of the final list of nominations, the Returning Officer shall declare such members as duly elected.

(2) Where the number of member is less than the number of members to be elected, the Returning Officer shall commence fresh proceeding for the election of the remaining member or members to be elected.

**17. Admissible number of votes to a voter-** (1) A voter shall have one vote only as per vacancy.

(2) The voter in order to cast his vote shall,-

(a) place on his ballot paper a tick mark (✓) in the box immediately against the name of the member he chooses to vote for and

(b) ensure that he does not vote for more member than there are vacancies to be filled.

**18. Ballot paper-** The ballot paper for the election to the Council shall be in Form E.

**19. Presence of the member and their authorized agent at the time of scrutiny of ballot papers and at the time of counting of votes-** (1) A member or his authorized agent shall be present at the time of scrutiny of nominations papers, ballot papers and counting of votes.

(2) No agent shall be authorized unless the member has issued a letter of authority to such agent.

(3) The letter of authority shall contain the full name, address and number of member and shall be produced before the Returning Officer

(4) The Returning Officer shall maintain the attendance of the member or his agent, as the case may be, at the time of scrutiny of nomination papers, ballot papers and counting of votes.

**20. Procedure of voting .-** Voting for the election to the Council shall held in such manner as provided in Schedule 4.

**21. Grounds for declaring ballot papers invalid.-** A ballot paper shall be declared invalid on the following grounds, namely,

(a) if a voter signs his name or writes any word or figure upon it or makes any mark, not being a mark of (✓), put under clause (a) of sub-rule (2) of rule 17, upon it by which the ballot paper becomes recognizable or by which the voter can be identified; or

(b) if it is not printed by or under the authority of the Council or it is different in any manner from the ballot papers printed under rule 18 ; or

(c) if it is unmarked or the mark made is void or cannot be unambiguously determined; or

(d) if it contains more tick (✓) marks than the number of vacancies ; or

(e) if it is so damaged or mutilated that its identity as a genuine ballot paper cannot be established; or

(f) if it is not returned in the cover sent along with it to the voter.

**22. Time and date for the counting of votes.-** The Returning Officer shall, before fifteen days from the date for closing date of the receipt of ballot papers, fix the date and time at which headquarters of the Institute the counting shall commence and shall give notice of such date and time in writing to all the members or his agents.

**23. Appointment of Assistant Returning Officer -** The Council may appoint two or more Assistant Returning Officers from amongst the officer/staff of the Institute to assist

the Returning Office during the election process.

**24. Counting of votes and declaration of results.**— The votes shall be counted as per the procedures specified in Schedule 5. The results of the election shall be declared on the web-site of the Institute and displayed on the Notice Board of the headquarters of Institute in Form F.

**25. Election not to be invalid due to omission, etc.**— No election shall be deemed to be invalid merely by reason of any omission of the name of a member from the list of members eligible to vote or any mistake in not allowing him to vote or the accidental inclusion of name of a person not entitled to vote in the list of members eligible to vote or allowing him to vote, or any irregularity or infirmity in the conduct of the election, including omission to send or delay in sending the ballot paper to a voter or the non-receipt of, or delay in receipt of a ballot paper, by voter.

**26. Duties of the Returning Officer.**— (1) The Returning Officer shall conduct the election in accordance with these rules.

(2) The Returning Officer may, with the approval of the Council, delegate any of the duties to be performed by him under these rules to the Assistant Returning Officers, as he may deem fit.

**27. Decision of the Returning Officer to be final.**— Unless otherwise provided in these rules, the decision of the Returning Officer, in all matters pertaining to conduct of election and the procedure followed for such matters which are not specifically mentioned by these rules, shall be final.

**Explanation:** For the removal of doubts, it is hereby declared that the conduct of election shall include the process of counting of votes and declaration of results.

**28. Vacancy in any seat not to hold up constitution of the Council.**— If for any reason any seat or seats is not filled up after the election, it shall not be deemed to hold up the constitution of the Council under sub-section (1) of section 12 of the Act

**29. Election Expenses.**— (1) No member, whose name has been included in the final list of nomination paper under rule 13, shall incur expenditure in excess of an amount to be fixed after consultation with the Central Government,

(2) Every such member shall file complete account of expenses incurred for the election as approved by the Council, within fifteen days from the declaration of results of election to the Council under rule 24.

**30. Disciplinary action against member in connection with conduct of election.**— (1) A member shall be deemed to have brought disrepute to the Institute under item A(2) of Part IV of the schedule to the Act if, in connection with an election to the Council, he is found to have contravened the provision of sub-rule (2) or any of the clauses of sub-rule (3) or sub-rule (4).

(2) Only one manifesto shall be issued by a member in relation to the election after the date of publication of final list of valid nominations of the member.

(3) A manifesto issued under sub-rule (2) shall conform to the following requirements in the interest of maintaining dignity of the election, namely :-

(a) a manifesto shall contain information regarding the member and shall not make any reference, directly or indirectly, to any other member ;

(b) the information which a member may furnish in a manifesto regarding himself shall not differ in any material respect from the information furnished by the Institute to the voters under rule 13. A member may, however, include in such manifesto, any additional information not contained in the information furnished under rule 13 ;

(c) a manifesto issued under sub-rule (2) shall neither contain any appeal to the voters on the basis of caste or on communal, religious, regional or sectional lines nor any tall claim ;

(d) the distribution of a manifesto shall be restricted only to members of the Institute ;

(e) a certified copy of such manifesto shall be sent to the Returning Officer by speed post or registered post or through a messenger within fifteen days of its issue ;

(f) while a member to the Council may repeat, in any form, the manifesto issued under sub-rule (2) without changing its contents, he shall not issue more than one manifesto or.

(4) A member shall not adopt any of the following practices with regard to the election to the Council, namely,-

(i) bribery, that is to say, any gift, offer or promise of any gifts or gratification to any person by a member or any other person, with his connivance, with the object directly or indirectly of;

(a) inducing a member to contest or not to contest as a member at an election or rewarding him for act or omission; or

(b) inducing to withdraw his membership to the Council or rewarding such withdrawal; or

(c) inducing a voter to vote or not to vote at an election, or as a reward for act or omission;

**Explanation-** For the purpose of this clause, "gratification", includes organising parties or providing any other form of entertainment, and all forms of employment as rewards; but, does not include the payment of any bonafide expenses incurred at or for the purpose of any election where it is not restricted to pecuniary gratification or gratifications in money ;

(ii) undue influence, that is to say, any direct or indirect interference or attempt to interfere on the part of a member or any other person with his connivance, with the free- exercise of any electoral right;

(iii) the publication by a member or by any other person, with his connivance, of any statement which is false, and which he either believes to be false or does not believe to be true, in relation to the personal character or conduct of any candidate or in relation to the membership or withdrawal of any candidate, being a statement reasonably

calculated to prejudice the prospects of that member's election;-

(iv) the obtaining or procuring or abetting, or attempting to obtain or procure, by a candidate or by any other person, with his connivance, any assistance for the furtherance of the prospects of the member's election from any person serving under the Government of India or the State Government, other than the giving of vote by such person, if he is a member entitled to vote;

(v) non-compliance with any of the directive or circular or instruction issued by the Returning Officer under these rules in any matter relating to elections;

(vi) contesting the election representing a political party;

(vii) the receipt by a member or an agreement by a member to receive any gratification, namely,-

(a) as an inducement or reward for standing or not standing as a membership ; or

(b) as an inducement or reward for withdrawing his candidature ; or

(c) as an inducement or reward for himself or any other person for voting or refraining from voting ; or

(d) as an inducement or reward for inducing or attempting to induce any voter to vote or refrain from voting ; or

(e) inducing or attempting to induce any member to the Council to withdraw his membership ;

(viii) contravention or misuse of any of the provisions of these rules or making of any false Statement knowing it to be false or without knowing it to be true, while complying with any of the provisions of these rules.

(ix) any act specified in clauses (i) to (viii), when done by a member, who is not a member, but is acting with the concurrence or connivance of a member.

#### **SCHEDULE 1**

[See sub-rule (1) of rule 6]

#### **LIST OF VOTERS**

1. Serial Number:-
2. Full Name of the member:-
3. Whether the voter is a fellow or an associate member:-
4. Address:-
5. Details of internet address or e-mail address as furnished by a voter to the Institute, provided an express consent is given by the voter for its inclusion in the list of voters:-

Signature of the Returning Officer  
With stamp

**SCHEDULE 2**  
[See sub-rule (3) of rule 9]

**INFORMATION TO BE INCLUDED IN THE STATEMENT ACCOMPANYING THE NOMINATION**

1 Nomination of a member shall be accompanied by a statement signed and verified by the member containing following information; namely,

- (a) Name, membership No. and voter's serial number as mentioned in the list of voters:-
- (b) Date of birth:-
- (c) The date on which became Fellow:-
- (d) Whether citizen of India:-
- (e) Whether found guilty of any professional or other misconduct and consequently whether he has been reprimanded or the name has been removed from the Register or has been awarded 'penalty of fine' as on the date of nomination:-
- (f) If the answer to (e) above is in affirmative, provide the following details, wherever applicable (separately for each misconduct for which found guilty):
  - (i) the offence under which found guilty:-
  - (ii) the date of reprimand:-
  - (iii) the date from which the name was removed on account of above disqualification from the Register:-
  - (iv) the total period of removal:-
  - (v) the date on which the period of removal expired:-
  - (vi) whether the removal was on account of misconduct falling under the schedule to the Act :-
  - (vii) the date on which the penalty of fine was awarded:-
  - (viii) Amount of penalty of fine:-
  - (ix) the date on which the payment was made for penalty of fine awarded :-
  - (x) the date by which the restriction on standing for elections to the Council ended in terms of the proviso to sub-section (2) of section 12 of the Act:-
- (g) Details of membership of the Council, both past and present, including holding of the Office of the President and/or Vice-President of the Institute.- as to
  - (i) whether he is holding a post under the Central or State Government" as defined in clause (ii) of the Explanation to rule 7.

2. The statement referred to in paragraph 1 may contain, at the option of the member , information concerning the member in respect of the following:

- (a) Academic qualifications (diplomas including post qualification diploma(s) and degrees and membership of professional bodies recognized by the Council);
- (b) Merit awards (limited up to first three positions) in the examinations of recognized universities or professional bodies and the examinations conducted by the Institute:-
- (c) Particulars of occupation:-
  - (i) Employment (designation with name of present employer):-
  - (ii) Practice (sole proprietor or in partnership including the name of the firm):-
  - (iii) Particulars of other occupation or engagement, if not covered by (i) and (ii) above:-

**Signature of the Member**  
**(Name and Address)**

**SCHEDULE 3**

[See sub-rule (3) of rule 13]

**1. Particulars of contesting member in the final list .-** The final list of nominations shall be accompanied by following particulars of contesting member to the extent they have been supplied by the member under sub-rule (3) of rule 9, namely,-

- (a) Name, membership No., Address and voter's serial number; as per the list of voters
- (b) Date of birth:-
- (c) The date on which the member became Fellow:-
- (d) Whether citizen of India:-
- (e) Whether found guilty of any professional or other misconduct with details thereof, like nature of misconduct and punishment awarded:-
- (f) Details of past and present membership of the Council including holding of the Office of Vice-President of the Institute:-
- (g) Academic qualifications (diplomas including post qualification diploma(s) and degrees recognized by the Government or Council and membership of professional bodies recognized by the Council):-
- (h) Merit awards (limited up to first three positions) in the examinations of recognised universities or professional bodies and the examinations conducted by the Institute:-
- (i)Particulars of occupation:-
  - 1 Employment (designation with name of present employer):-
  - 2 Practice (sole proprietor or in partnership including the name of the firm):-
  - 3 Particulars of other occupation or engagement, if not covered by (i) and (ii) above:-

**2. Record to be kept by the Returning Officer.-** (1) The Returning Officer shall, at the time of dispatch of the ballot paper, place against the name of the voter in the list of members eligible to vote, a mark to denote that the voter has been sent a ballot paper.

**3. Ballot Box.-** The ballot box shall be so constructed that a ballot paper can be inserted there into but cannot be withdrawn therefrom (without the box being unlocked or the seals being broken).

**SCHEDULE 4**

(See rule 20)

**PROCEDURE FOR VOTING**

**1. Returning Officer to send ballot papers by post .-** (1) Not less than twenty one days before the last date and time announced for receipt of ballot papers back from the voters, under provision of clause (e) of sub-rule (2) of rule (4), the Returning Officer shall send by post under certificate of posting to the voters the ballot paper together with the instructions contained in Form A explaining the manner in which the vote shall be recorded thereon, the manner in which the recorded ballot papers shall be returned and specifying the date and hour by which it shall reach the Returning Officer



(2) If the voter is residing outside India, the ballot papers shall be sent by airmail post under certificate of posting at least thirty days before the last date and time announced for receipt of ballot papers by post.

**2. Issue of undelivered and fresh ballot papers .-** (1) Where the ballot paper is, for any reason, returned undelivered, the Returning Officer may re-send the ballot paper by post under certificate of posting either on a request being made by the voter

(2) If any voter has inadvertently dealt with the ballot paper sent to him in such a manner that they cannot conveniently be used, a fresh ballot shall be sent to him after he has returned the spoiled ballot paper and satisfied the Returning Officer of the inadvertence.

(3) The Returning Officer shall cancel the spoiled ballot paper so returned and keep them in a separate packet after noting thereon the count of such ballot papers put in the packet.

**3. Timely Receipt of Ballot Papers .-** All packets containing ballot paper shall be addressed to the Returning Officer with a Outer Cover as per Form G and the Returning Officer or Assistant Returning Officer shall, thereafter, enter in the inward Register the date and time of receipt of such packet and then insert into the ballot box. and those which do not reach him by the date and time specified shall be set aside and kept together in a packet with the count of such covers recorded on the packet.

## SCHEDULE 5

(see rule 24)

### PROCEDURE FOR COUNTING OF VOTES AND DECLARATION OF RESULTS

**1 Counting of votes.-** On the date, time and place, as fixed under rule 22, for the purpose of counting of votes the Returning Officer, follow the following steps in the order mentioned, namely,-

(a) allow the member of the Council and his agent to present at the counting, an opportunity to inspect the ballot box; and its seals for satisfying themselves that they are in order;

(b) if he is satisfied that the ballot box is in order,-

(i) the Ballot box shall be opened and the covers containing ballot papers shall be taken out from it and shall be counted and the number thereof shall be recorded in a statement;

(ii) allow the member to the Council or his agent present at the counting to inspect the covers containing the ballot papers and satisfy themselves that they are in order but do not allow them to handle those covers;

(c) set aside the covers not received in accordance with paragraph 1 of Schedule 4;

(d) open the outer covers Form G containing the covers having the ballot papers ;

- (e) set aside the covers containing more than one ballot paper cover;
- (f) open the ballot paper covers and take out the ballot papers from each cover and record the number thereof in a statement; and make a separate packet of those ballot papers;
- (g) the ballot papers shall be examined and any invalid ballot papers as per rule 21 shall be rejected;
- (h) before rejecting any ballot paper, the Returning Officer shall allow each member to the Council or his representative present a reasonable opportunity to inspect the ballot paper but shall not allow him to physically handle it or any other ballot paper;
- (i) the Returning Officer shall endorse on every ballot paper which he rejects, the word "rejected" and the grounds of rejection in abbreviated form either in his own hand or by means of rubber stamp and shall initial such endorsement;
- (j) all ballot papers rejected under this rule shall be bundled together;
- (k) the Returning Officer shall then count the number of rejected ballot papers and record the count;
- (l) the Returning Officer shall then prepare a reconciliation of the ballot papers received;

**2. Procedure in case of a tie.-** When after counting of votes, a tie is found to exist between any candidates, then lots shall be drawn between the candidates in the tie and the successful candidate shall be considered to have received an additional vote.

**3. Provision for recounts .-** Any member to the Council or, in his absence, his agent may, at any time during the counting of the votes, request the Returning Officer in writing to re-examine and re-count the votes of all or any member to the Council along with reasons for asking such a recount, and after receipt of request of the member, the Returning Officer may re-examine and re-count the same if he finds that the reasons given are sufficient for having recount.

**4. Report to the President.-** After the counting of votes is over, the Returning Officer shall prepare a statement showing the number of votes received by each member to the Council. The statement shall be in the descending order of the number of votes received by the candidates. The Returning Officer shall submit to the President the results of the counting in Form E and a report on the counting process which shall include reconciliation of the covers containing ballot papers received by him.

**FORM A**  
(See of rule 8 )

**GUIDENCE TO THE VOTER FOR FILLING UP THE BALLOT PAPER**

To All Fellow and Associate Members

Dear Member,

**Re: Election to the Council ( ----- )**

The following x valid nominations, arranged in alphabetical order, have been received for filling up the y vacancies that have arisen.

1.		2.	
3.		4.	
5.		6.	
7.			

Since the number of nominations is more than the number of vacancies, in ccordance with the Rules for Election of Members to the Council it has become necessary to hold elections to elect x members for filling up the vacancies.

A ballot paper is enclosed herewith containing the names of members contesting the election. The short resume of the contestants is also enclosed. The election system is as below:

1. Please indicate your choice by placing a tick against the name of the candidate whom you want to vote.
2. Please **DO NOT** tick against more than x candidates. However, you may tick for less than x candidates.
3. Placing ticks against more than x candidates would render your ballot paper invalid.
4. Please do not sign or put any other indication on the ballot paper.

5. After indicating your choice as mentioned above, please put the ballot paper in the enclosed pink colored cover provided by us and close it. Please do not write anything on this cover.
6. Please put the coloured closed cover containing the ballot paper in the white cover bearing the address of the Returning Officer by name and close it. Please write your name, your class of membership and sign above your name clearly written on the outer flap of the white cover where it is closed. This is for identification with the voters' list. If a member fails to put on the flap his/her name and signature, the ballot paper shall be treated as **invalid**.
7. The white cover should reach the Returning Officer, latest by 5.00 p.m., on **DD – MM – YY**. The covers containing ballot paper received after this date/time shall be taken as invalid

Yours faithfully,

Returning Officer  
Stamp

Note: Only the enclosed ballot paper, which has been duly authenticated, shall be accepted.

**FORM B**

(See sub-rule (1) of rule 9 )

**FORM OF NOMINATION FOR ELECTION TO THE  
COUNCIL YEAR -----**

I, \_\_\_\_\_ a Fellow Member of the  
Institute, do hereby express my willingness to be elected as a  
Member of the Council of the Institute.

Date:

Signature of the member

I, \_\_\_\_\_ a Fellow/Associate Member of the  
Institute, do hereby propose Mr. \_\_\_\_\_ a Fellow Member, for  
election as a member of the Council of the Institute .

Date:

(Signature of Proposer)

I, \_\_\_\_\_ a Fellow/Associate Member of  
the Institute, do hereby second the above proposal.

Date:

(Signature of Seconder)

**FORM C**  
(See rule 11 )  
Emblem of Institute

**List of Contesting Member**

Sr. No.	Name of the Contesting Member	Specimen signature of Contesting Member
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		

**Signature of Returning Officer**  
With stamp

**FORM D**  
(See rule 12 )

Emblem of Institute

**NOTICE OF WITHDRAWAL OF MEMBERSHIP FROM ELECTION TO  
THE COUNCIL**

I, .....a Fellow/Associate Member of  
the Institute, do hereby withdraw my Membership from Election to the Council  
dated.....

Date:

Signature of the member  
Membership No.  
Address:

**FORM E**  
(See rule 18 )

Emblem of Institute

**BALLOT PAPER FOR ELECTION TO THE COUNCIL**

(Names are in alphabetical order)

S.No.	Name of the member	Vote*
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		

\*Place tick ( ✓ ) here against the name of the member to whom you are voting for. More than x ticks will render the Ballot paper invalid.

**FORM F**

(See sub-rule of rule 24 )

**RESULTS OF ELECTION TO CLUNCIL XXXX**

The Returning Officer has submitted his report to the President, in terms of clause 4 to Schedule 5 of the rules on the process of Election completed on DD-MM-YY.

Xx nominations were received for filling up the yy vacancies on the Council and elections were held as per the provisions of the rules.

The candidates along with the number of votes polled in descending order are as under:

Sr. No.	Name and address of the Candidate	Number of Votes Polled	Number of Votes record	Number of Vote cancelled
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				

Signature of the Returning Officer  
With stamp

**FORM G**

(See Schedule 4 )

**OUTER COVER ADDRESSED TO THE RETURNING OFFICER BY NAME**

Postage  
Stamp

**Ballot Paper – NOT TO BE OPENED BEFORE COUNTING**

Mr.....

Returning Officer,  
Institute of Actuaries of India,  
302, Globe Chambers, 142, Fort Street,  
Off D.N.Road, Fort, Mumbai 400 001.

[F. No. M-18012/02/2007-Ins.III]

TARUN BAJAJ, Jt. Secy.



## अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2008

सा.का.नि. 495(अ).—केन्द्रीय सरकार, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 26 की उपधारा (2), धारा 27 की उपधारा (2) और धारा 31 के साथ पठित धारा 55 की उपधारा (2) के खंड (ग), खंड (घ) और खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ** - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीमांकक (वृत्तिक और अन्य अवचार की जांच के लिए प्रक्रिया) नियम, 2008 है।

(2) ये उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

## अध्याय 1

## प्रारंभिक

2. **परिभाषाएं** - (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

- (क) “अधिनियम” से बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) अभिप्रेत है ;
- (ख) “समिति” से अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (1) के अधीन गठित अनुशासनिक समिति अभिप्रेत है ;
- (ग) “प्रतिवादी” से ऐसा सदस्य अभिप्रेत है जिसके विरुद्ध अधिनियम के अधीन शिकायत या जानकारी प्राप्त हुई है ;
- (घ) “अभिहित व्यक्ति” से परिसर द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (ङ) “निदेशक” से अधिनियम की धारा 27 की उपधारा (1) के अधीन अभियोजन निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (च) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

- (छ) “संस्थान” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय बीमांकक संस्थान अभिप्रेत है ;
- (ज) “सदस्य” से संस्थान का कोई सहयुक्त या अध्येता अभिप्रेत है और इसमें ऐसा व्यक्ति सम्मिलित है जो अभिकथित अवचार की तारीख को संस्थान का सदस्य था भले ही वह शिकायत फाइल करते समय, जांच के शुरू होने पर या उसके पश्चात् संस्थान का सदस्य नहीं रहा है ;
- (झ) “पीठासीन अधिकारी” से समिति का पीठासीन अधिकारी अभिप्रेत है ;
- (ञ) किसी सदस्य के संबंध में, “वृत्तिक पता” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,-

- (i) अंतिम रजिस्ट्रीकृत पता जहां कोई सदस्य अपनी वृत्ति चला रहा है या जब वह एक स्थान से अधिक स्थान पर अपनी वृत्ति चला रहा है, मुख्य स्थान ; या
- (ii) नियोजन का अंतिम रजिस्ट्रीकृत पता या उसके विकल्प पर उसके निवास का स्थान, यदि सदस्य नियोजित है ; या
- (iii) निवास का अंतिम रजिस्ट्रीकृत स्थान, यदि सदस्य न तो वृत्ति चला रहा है और न नियोजित है ; या
- (iv) अंतिम विदेशी रजिस्ट्रीकृत पता या उसके विकल्प पर भारत में निवास स्थान जो इन नियमों के प्रयोजनों के लिए वृत्तिक पता समझा जाएगा ।

- (ट) “विनियम” से अधिनियम की धारा 56 के अधीन परिषद् द्वारा बनाए गए विनियम अभिप्रेत हैं ;
- (ठ) “अनुसूची” से अधिनियम से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है ;

- (2) इसमें प्रयुक्त उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हैं, जो अधिनियम में उनके हैं ।

## अध्याय 2

### शिकायतों और सूचना से संबंधित जांच की प्रक्रियाएं

3. शिकायत फाइल करने के लिए प्रक्रिया - (1) शिकायत को, अभिहित व्यक्ति के समक्ष प्ररूप में तीन प्रतियों में व्यक्तिगत रूप से, यथास्थिति, डाक या कुरियर द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा ।

- (2) उप नियम (1) के अधीन डाक या कुरियर द्वारा भेजी गई शिकायत, उस तारीख को, जिसको यह संस्थान में प्राप्त होती है, अभिहित व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत की गई समझी जाएगी ।

(3) यदि केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा या उसकी ओर से शिकायत फाइल की जाती है, तो ऐसी शिकायत को, संयुक्त सचिव से अन्यून की पंक्ति का पद धारण करने वाले किसी अधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा और उसे यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार में अवर सचिव या समतुल्य से अन्यून की पंक्ति का पद धारण करने वाले किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा ।

(4) यदि किसी कानूनी प्राधिकरण, जैसे बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा या उसकी ओर से शिकायत फाइल की जाती है तो ऐसी शिकायत को भारत सरकार के संयुक्त सचिव या समतुल्य पद का धारण करने वाले किसी अधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा और उसे, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार में अवर सचिव या समतुल्य पंक्ति की पंक्ति से अन्यून का पद धारण करने वाले किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा ।

(5) किसी कंपनी द्वारा या उसकी ओर से शिकायत फाइल की जाती है तो उसके साथ, यथास्थिति, कंपनी के भागीदारों के निदेशक बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से पाश्चित्त एक संकल्प लगा होगा जिसमें कंपनी की ओर से शिकायत करने के लिए किसी अधिकारी या किसी व्यक्ति को विनिर्दिष्ट रूप से प्राधिकृत किया जाएगा ।

**स्पष्टीकरण :** इस उप नियम के प्रयोजन के लिए, “कंपनी” से कोई निगमित निकाय अभिप्रेत है और इसमें कोई फर्म या अन्य व्यक्ति संगम सम्मिलित हैं ।

(6) यदि केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, कानूनी प्राधिकरण या कंपनी द्वारा कोई शिकायत फाइल की जाती है तो शिकायत के नाम में कोई परिवर्तन किसी पश्चात्वर्ती प्रक्रम पर, मूल शिकायतकर्ता के समतुल्य पद का धारण करने वाले किसी अधिकारी द्वारा किए गए किसी विनिर्दिष्ट प्राधिकार द्वारा सम्यक् रूप से समर्थित होगा ।

(7) अभिहित व्यक्ति द्वारा प्राप्त प्रत्येक शिकायत की, यथास्थिति, व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा भेजे जाने के प्रमाणपत्र के अधीन एक अभिहित स्वीकृति संख्या सहित सम्यक् रूप से अभिस्वीकृति दी जाएगी ।

**4. शिकायत फाइल करने के लिए फीस -** (1) केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी कानूनी कार्यकरण द्वारा या उसकी ओर से फाइल की गई किसी शिकायत से भिन्न प्रत्येक शिकायत के साथ पांच सौ रुपए से अनधिक की फीस (आई सी ए आई प्रभार 100रु.) जो विनियमों द्वारा परिषद् द्वारा अवधारित की जाए, लगी होगी ।

- (2) फीस ऐसे स्थान पर संदेय, जहां संस्थान का मुख्य कार्यालय अवस्थित है, संस्थान के पक्ष में भारत में किसी बैंक पर लिखे गए किसी मांगदेय ड्राफ्ट के रूप में संदत्त होगी।
- (3) एक बार संदत्त की गई फीस का प्रतिदाय नहीं किया जाएगा :

परंतु यह कि कोई अतिरिक्त फीस संदेय नहीं होगी यदि शिकायत को, नियम 5 के उपनियम (5) के अधीन त्रुटि की परिशुद्धि करने के पश्चात् पुनः प्रस्तुत किया जाता है।

**5. शिकायत का रजिस्ट्रीकरण :** (1) अभिहित व्यक्ति, प्रत्येक शिकायत पर उस तारीख का पृष्ठांकन करेगा जिसको वह प्राप्त होती है या प्रस्तुत की जाती है और प्रत्येक शिकायत पर हस्ताक्षर करेगा तथा ऐसी शिकायत को निदेशक को निर्देशित करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन शिकायत की प्राप्ति के पश्चात् शिकायत की संवीक्षा करेगा।

(3) यदि उपनियम (2) के अधीन संवीक्षा पर शिकायत को नियमित पाया जाता है तो निदेशक शिकायत को रजिस्टर करेगा तथा शिकायत को एक क्रम संख्या देगा।

(4) यदि शिकायत की विषय-वस्तु संवीक्षा पर सारवान रूप से वही है या उसके अंतर्गत रही है जो किसी पूर्ववर्ती शिकायत या प्राप्त सूचना में हैं तथा प्रक्रियाधीन है अथवा उसका पहले ही निपटान कर दिया गया है तो निदेशक निम्नलिखित कदम उठाएगा, अर्थात् :-

(क) यदि फाइल की गई पूर्ववर्ती शिकायत निदेशक के समक्ष लंबित है तो वर्तमान शिकायत को पूर्ववर्ती शिकायत के साथ सम्मिलित किया जा सकेगा और ऐसी दशा में तथ्य को पूर्ववर्ती और वर्तमान दोनों शिकायतकर्ताओं को तथा प्रतिवादी को प्रेषित किया जा सकेगा ; या

(ख) यदि ऐसी किसी पूर्ववर्ती शिकायत में निदेशक द्वारा प्रथम दृष्ट्या राय बना ली गई है और मामला समिति के समक्ष लंबित है तो निदेशक वर्तमान शिकायत को समिति के समक्ष लाएगा और पश्चात्पूर्व शिकायत को या तो पूर्ववर्ती शिकायत के साथ सम्मिलित किया जाएगा या निदेशक को, उसका पृथक् शिकायत के रूप में, जैसा उपयुक्त हो, निपटान करने के लिए कहा जाएगा ; या

(ग) यदि किसी पूर्ववर्ती शिकायत पर समिति द्वारा पहले ही आदेश पारित कर दिया गया है तो निदेशक वर्तमान शिकायत को समिति को निर्देशित करेगा और समिति परिषद् को विनिश्चय के लिए उसकी सिफारिश करेगी।

(5) यदि शिकायत संवीक्षा पर त्रुटिपूर्ण पाई जाती है और त्रुटि अंतिम प्रकृति की है तो निदेशक शिकायतकर्ता अपनी उपस्थिति में उसका परिशोधन करने की अनुज्ञा दे सकेगा या यदि उक्त त्रुटि

औपचारिक प्रकृति की है तो निदेशक शिकायतकर्ता को उतना समय, जो वह उपयुक्त समझे, अनुज्ञात कर सकेगा।

(6) यदि शिकायतकर्ता, उपनियम (5) के अधीन अनुज्ञात समय के भीतर त्रुटि का परिशोधन करने में असफल रहता है तो निदेशक आदेश द्वारा और लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से शिकायत को रजिस्टर करने से इंकार कर सकेगा।

(7) उपनियम (6) के अधीन निदेशक के आदेश के विरुद्ध कोई अपील ऐसे आदेश को अभिलिखित करने के पंद्रह दिनों के भीतर समिति को की जाएगी और उस पर समिति का विनिश्चय अंतिम होगा।

**6. किसी शिकायत का वापस लिया जाना -** निदेशक, शिकायतकर्ता द्वारा किसी शिकायत को वापस लेने के लिए किसी आवेदन की प्राप्ति पर उसे समिति के समक्ष रखेगा और समिति, यदि उसकी यह राय है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जो शिकायत को, किसी प्रक्रम पर, जिसके अंतर्गत शिकायत के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व या उसके पश्चात् हुई है, वापस लेना अनुज्ञात कर सकेगा :

परंतु यह कि निदेशक ने ऐसी किसी शिकायत पर अपनी प्रथम दृष्ट्या राय अभी तक नहीं बनाई है तो वह उसे समिति के समक्ष रखेगा और समिति, यदि उसकी यह राय है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं, तो शिकायत को वापस लेने के लिए अनुज्ञात कर सकेगी।

**7. सूचना :** (1) किसी सदस्य या किसी फर्म के विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से या डाक अथवा कुरियर द्वारा प्राप्त कोई लिखित सूचना जो प्ररूप में नहीं है, प्राप्त की गई सूचना के रूप में समझी जाएगी और उसका इन नियमों के उपबंधों के अनुसार निपटान किया जाएगा।

(2) ऐसी सूचना की प्राप्ति पर, इतिला करने वाला, प्रथमतः इतिलाकर्ता से उसको निम्नलिखित सूचना से अवगत कराते हुए, यह पूछा जाएगा, अर्थात् :-

(क) किसी शिकायत के मुकाबले किसी सूचना के निपटान के लिए अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है ;

(ख) सूचना देने वाले व्यक्ति को, व्यक्ति के पास मामले की जांच या सुनवाई के दौरान प्रतिनिधित्व किए जाने का अधिकार नहीं होगा ;

(ग) संस्थान न तो इतिला देने वाले को सूचित करेगा और न ही इतिला देने वाले से, उपनियम (1) के अधीन प्राप्त सूचना के संबंध में हुई प्रगति के किसी और प्रत्येक प्रक्रम पर किसी प्रश्नावली पर विचार करेगा यदि उसकी यह राय है कि किसी ऐसी सूचना देने से, अन्वेषण की प्रक्रिया में, अपराधियों को गिरफ्तार करने या अभियोजन में कोई अड़चन पड़ेगी ;

परंतु यह कि अंतिम आदेश की एक प्रति इत्तिला देने वाले को भेजी जाएगी ।

- (3) प्राप्त हुई किसी अनाम सूचना पर निदेशक द्वारा विचार नहीं किया जाएगा ।

### अध्याय 3

#### जांच की प्रक्रिया

8. किसी शिकायत पर निदेशक द्वारा अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया - (1) निदेशक या इस निमित्त परिषद् द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी नियम 3 के अधीन किसी शिकायत की प्राप्ति के साठ दिनों के भीतर,-

(क) यदि किसी व्यक्ति सदस्य के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होती है तो, यथास्थिति, अभिकथित कार्य या लोप की कार्रवाईयों की विशिष्टियां, शिकायत की एक प्रति उस सदस्य के वृत्तिक पते पर भेजेगा ;

(ख) यदि किसी फर्म के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होती है तो, यथास्थिति, अभिकथित कार्य या लोप की कार्रवाईयों की विशिष्टियां, शिकायत की एक प्रति फर्म को उसके मुख्य कार्यालय के पते पर, जो संस्थान द्वारा रखी गई फर्मों के कार्यालयों के रजिस्टर में प्रविष्ट है, फर्म से संबंधित सदस्य या सदस्यों के नाम या नामों को प्रकट करने की मांग करने की सूचना सहित भेजेगा और, यथास्थिति, कार्य या लोप की कार्रवाई की विशिष्टियां या शिकायत की एक प्रति ऐसे सदस्यों को भेजेगा :

परंतु सदस्य या सदस्यों के नाम या नामों को प्रकट करते समय फर्म, यथास्थिति, संबंधित सदस्य या सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से इस भाव की हस्ताक्षरित घोषणा को भेजेगा कि वह या वे सूचना में उल्लिखित अभिकथनों का उत्तर देने के लिए उत्तरदायी होंगे और यह कि कार्य या लोप की कार्रवाईयों की विशिष्टियां या शिकायत की प्रति उसके या उनके द्वारा सम्यक् रूप से प्राप्त शिकायत की एक प्रति निदेशक द्वारा फर्म को भेजी जाएगी ।

**स्पष्टीकरण :** इस नियम के प्रयोजनों के लिए फर्म को दी गई सूचना उन सभी सदस्यों को दी गई सूचना समझी जाएगी जो शिकायत के रजिस्ट्रीकरण की तारीख को उस फर्म के भागीदार या कर्मचारी है ।

(2) कोई सदस्य जिसका नाम फर्म द्वारा प्रकट किया गया है, शिकायत का उत्तर देने के लिए जिम्मेदार होगा, परंतु ऐसा कोई सदस्य फर्म के साथ भागीदार या कर्मचारी के रूप में सहयोजित होगा जिसके विरुद्ध अभिकथित अवचार के होने के समय शिकायत फाइल की गई है :

परंतु यदि फर्म का कोई सदस्य, चाहे वह तत्कालीन हो या वर्तमान फर्म के विरुद्ध लगाए गए अभिकथनों के लिए जिम्मेदारी नहीं लेता है तो फर्म पूर्ण रूप से अभिकथन या अभिकथनों का उत्तर देने के लिए जिम्मेदार नहीं होगा और उस रूप में सभी सदस्य जो अभिकथित अवचार के होने की तारीख को या उसके होने पर उस फर्म के भागीदार या कर्मचारी थे, शिकायत में अंतर्विष्ट अभिकथन या अभिकथनों का उत्तर देने के लिए जिम्मेदार होंगे ।

(3) प्रतिवादी, शिकायत की प्रति की प्राप्ति से 21 दिन के भीतर या ऐसे अतिरिक्त समय के भीतर, जो 30 दिन से अनधिक हो, जो निदेशक द्वारा अनुज्ञात किया जाए, निदेशक के समक्ष अपना लिखित कथन प्रस्तुत करेगा ।

(4) प्रतिवादी के लिखित कथन की प्राप्ति पर, निदेशक, शिकायतकर्ता को लिखित कथन की एक प्रति भेज सकेगा और शिकायतकर्ता लिखित कथन की प्रति की प्राप्ति के 21 दिनों के भीतर, या ऐसे अतिरिक्त समय के भीतर जो 30 दिनों से अनधिक हो, जो निदेशक द्वारा अनुज्ञात किया जाए, निदेशक को, अपना प्रत्युत्तर, यदि कोई हो, फाइल करेगा ।

(5) यथास्थिति, शिकायत, लिखित कथन या प्रत्युत्तर की समीक्षा पर, निदेशक शिकायतकर्ता या प्रतिवादी या शिकायत के किसी पक्षकार से, जिसे वह उपयुक्त समझे, उससे संबंधित ऐसी अतिरिक्त विशिष्टियां या दस्तावेज की मांग कर सकेगा :

परंतु यदि प्रतिवादी द्वारा उपनियम (3) के अधीन अनुज्ञात समय के भीतर कोई लिखित कथन प्रस्तुत नहीं किया जाता है या शिकायतकर्ता द्वारा उपनियम (4) के अधीन अनुज्ञात समय के भीतर कोई प्रत्युत्तर फाइल नहीं किया जाता है तो निदेशक, यह उपधारणा करेगा कि यथास्थिति प्रतिवादी या शिकायतकर्ता को आगे कोई कथन नहीं करना है और इस अध्याय के अधीन यथाउपबंधित आगे की कार्यवाई करेगा ।

9. **शिकायत का परीक्षण** — (1) निदेशक, यथास्थिति, शिकायत, लिखित कथन, प्रत्युत्तर या अन्य अतिरिक्त विशिष्टियां या दस्तावेजों की, यदि कोई हो, यह प्रथम दृष्ट्या राय बनाने के लिए कि सदस्य या फर्म विनिर्दिष्ट अनुसूची के अधीन किसी वृत्तिक या अन्य अवचार का दोषी है या नहीं, परीक्षण करेगा ।

(2) जहां निदेशक की प्रथम दृष्ट्या राय है कि सदस्य या फर्म अनुसूची के अधीन यथाविनिर्दिष्ट किसी अवचार का दोषी है, वहां वह शिकायत और अन्य अतिरिक्त विशिष्टियों या दस्तावेजों तथा सभी अन्य सुसंगत कागजपत्रों के साथ अपनी राय को समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा ।

(3) यदि समिति, उपरोक्त उपनियम (1) के अधीन निदेशक की प्रथम दृष्ट्या राय से सहमत है तो, समिति अध्याय 4 के अधीन कार्यवाही के लिए अग्रसर हो ।

(4) यदि समिति उपनियम (1) के अधीन निदेशक की प्रथम दृष्ट्या राय से असहमत है तो वह शिकायत को प्रकट करने के लिए परिषद को शिकायत भेजेगी या निदेशक को शिकायत की आगे जांच करने की सलाह देगी ।

(5) यदि निदेशक की प्रथम दृष्ट्या राय है कि सदस्य या फर्म अनुसूची के अधीन किसी अवचार का दोषी नहीं है तो वह मामले को समिति के समक्ष रखेगा ।

(6) यदि समिति, निदेशक की राय से सहमत है तो वह मामले को इसके प्रकटन के लिए परिषद् को निर्दिष्ट करेगी ।

(7) यदि समिति निदेशक की राय से असहमत हैं तो वह या तो इन नियमों के अध्याय 4 के अधीन कार्यवाही करेगी या विषय की आगे जांच करने के लिए निदेशक को सलाह देगी ।

(8) निदेशक, इस नियम के उपनियम (4) या उपनियम (7) के अधीन समिति द्वारा दी गई सलाह के अनुसार आगे जांच करने के पश्चात् इस नियम के अधीन कार्यवाही करेगी ।

10. **सूचना भेजने की रीति** - (1) इन नियमों के अधीन निदेशक या समिति द्वारा जारी की गई प्रत्येक सूचना सदस्य, फर्म या किसी अन्य व्यक्ति को, सम्यक् अभिस्वीकृति सहित रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट या उसके सिवाय जहां किसी नियम में अन्यथा विनिर्दिष्ट है, किसी संदेशवाहक द्वारा भेजी जाएगी ।

(2) यदि कोई सूचना, इस पृष्ठांकन के साथ कि प्रेषिती ने सूचना को स्वीकार करने से इंकार कर दिया हैं, बिना तामील किए या अपरिदत्त वापस लौट आती है तो सूचना को, यथास्थिति, तामील किया गया या परिदत्त किया गया समझा जाएगा ।

(3) यदि सूचना इस भाव के पृष्ठांकन के साथ कि प्रेषिती को दिए गए पते पर नहीं ढूंढा जा सकता है, वापस लौट आती है तो निदेशक शिकायतकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति से, जो सदस्य या फर्म या व्यक्ति का, जिसका पता गलत पाया जाता है, देने की स्थिति में



हो सकता है और सही पता देने पर, एक नई सूचना ऐसे पते पर तामील या परिदत्त की जाएगी।

(4) जहां सूचना उपनियम (3) के अधीन वापस लौट आती है, वहां उसकी एक प्रति प्रतिवादी के वृत्तिक पते या निवास स्थान पर, जो संस्थान में अंतिम रजिस्ट्रीकृत था, किसी सहजदृश्य स्थान पर चिपकाकर या ऐसी अन्य रीति में जो समिति उपयुक्त समझे, तामील की जा सकेगी और ऐसी तामील को इन नियमों के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त तामील किया गया समझा जाएगा।

11. शिकायत से संबंधित कतिपय उपबंधों का, सदस्यों के अवचार से संबंधित सूचना को भी लागू होंगे - नियम 3 के उपनियम (7), नियम 5 के उपनियम (1), उपनियम (2), उपनियम (3) और उपनियम (4), नियम 8 के उपनियम (1), उपनियम (2), उपनियम (3) और उपनियम (5), नियम 9 और नियम 10 में शिकायतों का निपटान करने के लिए अधिकथित प्रक्रिया, इन नियमों के अधीन निदेशक द्वारा प्राप्त सूचना को भी लागू होगी।

12. शिकायत या सूचना पर विचार करने की समय सीमा - जहां निदेशक का यह समाधान हो जाता है कि अभिकथित अवचार का समुचित साक्ष्य अभिप्राप्त करने में कठिनाई होगी या यह कि सदस्य या फर्म, जिसके विरुद्ध सूचना, यथास्थिति, स्वयं की या उसकी प्रतिष्ठा करने के लिए समय की कमी के कारण या साक्ष्य देने में कठिनाई होगी या यह कि जांच को प्रक्रियागत रूप में असुविधा या कठिनाई के कारण परिवर्तन हुए हैं, वहां वह उसके सात वर्षों से अधिक के पश्चात् जब उसका होना अभिकथित किया गया था किसी अवचार के संबंध में किसी शिकायत या सूचना पर विचार करने से इंकार कर सकेगा और उसे समिति को प्रस्तुत करेगा।

#### अध्याय 4

##### अनुशासनिक समिति

13. समिति का कृत्यकरण - (1) सभी प्रश्नों का, जो समिति के समक्ष आते हैं, उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा विनिश्चय किया जाएगा और मतों के बराबर होने की दशा में, पीठासीन अधिकारी या उसकी अनुपस्थिति में समिति की बैठक के पीठासीन व्यक्ति का दूसरा या निर्णायक मत होगा।

(2) समिति किसी बैठक के लिए गणपूर्ति को सदस्यों की होगी।

(3) पीठासीन अधिकारी के समिति की बैठक में उपस्थित न हो सकने की दशा में अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (1) के अधीन परिषद् द्वारा सम्यक् रूप से निर्वाचित परिषद् का सदस्य पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्य करेगा ।

14. समिति द्वारा अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया - (1) समिति, इस अध्याय में यथाअधिकथित उसके समक्ष सभी मामलों के निपटान में संक्षिप्त निपटान प्रक्रिया का अनुसरण करेगी ।

(2) यदि समिति, नियम 2 या नियम 9 के अधीन आगे कार्यवाही करने का विनिश्चय करती है तो वह प्रतिवादी और शिकायतकर्ता को निम्नलिखित में से प्रत्येक की एक प्रति शीघ्रता से परिदत्त कराएगी, अर्थात् :-

- (क) शिकायत या सूचना पर निदेशक द्वारा बनाई गई राय ; और
- (ख) राय बनाने के अनुक्रम के दौरान निदेशक द्वारा आधार बनाई गई विशिष्टियां या दस्तावेज ।

(3) समिति, ऐसे समय के भीतर, जो विनिर्दिष्ट किया जाए, एक लिखित कथन फाइल करने के लिए, प्रतिवादी को सूचित करेगी :

परंतु यह कि समिति, अतिरिक्त समय मांगने के लिए समिति के समाधान के लिए प्रतिवादी द्वारा पर्याप्त कारण देने पर उसके आवेदन पर लिखित कथन फाइल करने के लिए अतिरिक्त समय मंजूर कर सकेगी :

परंतु यह और कि ऐसा अतिरिक्त समय एक से अधिक बार नहीं दिया जाएगा और यदि प्रतिवादी पहले परंतुक के अधीन मंजूर किए गए अतिरिक्त समय के भीतर लिखित कथन फाइल नहीं करता है, तो समिति यह उपधारणा करेगी कि प्रतिवादी को और कुछ प्रस्तुत नहीं करना है और गुणागुण पर मामले का विनिश्चय करने के लिए अग्रसर होगी ।

(4) प्रतिवादी, निदेशक को और शिकायतकर्ता को समर्थनकारी दस्तावेजों के साथ-साथ अपने लिखित कथन की एक प्रति समय के भीतर भेजेगा ।

(5) शिकायतकर्ता, लिखित कथन की प्राप्ति के पश्चात्, समिति को, दस्तावेजों सहित, यदि कोई हों, प्रतिवादी को प्रत्युत्तर की एक प्रति सहित, प्रत्युत्तर, यदि कोई हो, फाइल कर सकेगा ।

(6) पीठासीन अधिकारी, सूचना या शिकायत की सुनवाई के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करेगा जो साधारण रूप से समिति द्वारा बनाई गई राय की प्राप्ति की तारीख से पैंतालीस दिन के पश्चात् नहीं होंगे और समिति, निदेशक, प्रतिवादी और शिकायतकर्ता

को ऐसी तारीख, समय और स्थान की सूचना भिजवाएगी और उनसे मौखिक निवेदन, यदि कोई हों, भेजने के लिए व्यक्तिगत रूप में उपस्थित होने की अपेक्षा करेगा ।

(7) सुनवाई के लिए नियत तारीख को, यदि कोई हो, प्रतिवादी उपनियम (6) के अधीन सूचना की तामील की प्राप्ति पर, यथास्थिति, व्यक्तिगत रूप से, या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि की मार्फत उपस्थित नहीं होता है, तो समिति एकपक्षीय रूप से कार्यवाही करेगी और उपनियम (19) के अधीन यथा उपबंधित विषय में कार्यवाही करेगी या, यथास्थिति, नई सूचना तामील किए जाने का निदेश देगी ।

(8) पहली सुनवाई के दौरान समिति, निदेशक द्वारा बनाई गई राय के सार के साथ-साथ प्रतिवादी को अभिकथनों को पढ़कर सुनाएगी और प्रतिवादी से यह पूछेगी कि क्या वह उसके विरुद्ध लगाए गए अभिकथनों के लिए दोषी होने का अभिवाक करता है :

परंतु यदि प्रतिवादी उसके द्वारा नियत स्थान, तारीख और समय पर समिति के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो समिति इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही करने के लिए अग्रसर होगी ।

(9) यदि प्रतिवादी दोषी होने का अभिवाक करता है तो समिति प्रतिवादी के कथन को अभिलिखित करेगी और अधिनियम के उपबंधों के अनुसार परिषद् को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(10) यदि प्रतिवादी दोषी होने का अभिवाक नहीं करता है तो समिति साक्ष्यों की परीक्षा या दस्तावेजों को, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए एक तारीख नियत करेगी ।

(11) समिति, शिकायतकर्ता, प्रतिवादी या निदेशक के आवेदन पर, यथास्थिति, उपस्थित होने या किसी अन्य दस्तावेज या साक्ष्य को प्रस्तुत करने के लिए उसके साक्षियों में से किसी साक्षी को सूचना जारी कर सकेगी ।

(12) समिति, सुनवाई के लिए नियत तारीख को सभी ऐसे साक्ष्य लेने के लिए अग्रसर होगी जो शिकायतकर्ता, प्रतिवादी या निदेशक द्वारा प्रस्तुत किए जाएं, जिसके अंतर्गत साक्ष्यों की मौखिक परीक्षा या दस्तावेजों को प्रस्तुत किया जाना भी है ।

परंतु यह कि समिति, आस्थगित किए जाने वाले किसी साक्षी की प्रतिपरीक्षा करने के लिए तब तक अनुज्ञा दे सकेगी जब तक किसी अन्य साक्षी या साक्षियों की परीक्षा नहीं की जाती है या और प्रतिपरीक्षा के लिए किसी साक्षी को पुनः नहीं बुलाया जाता है ।

(13) निदेशक द्वारा, साक्ष्य प्रस्तुत करने के पश्चात्, शिकायतकर्ता को यदि सुनवाई के दौरान उपस्थित हों, समिति का यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि ऐसा साक्ष्य सुसंगत हैं

और उसे निदेशक द्वारा प्रस्तुत करने के दौरान नहीं लाया गया है, किसी अतिरिक्त साक्ष्य को प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा।

(14) प्रतिवादी को तब अपनी प्रतिरक्षा करने के लिए बुलाया जाएगा और वह अपना साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

(15) यदि प्रतिवादी समिति को परीक्षा या प्रतिपरीक्षा या किसी दस्तावेज या किसी सारवान वस्तु को प्रस्तुत करने के प्रयोजन के लिए किसी साक्षी को उपस्थित होने के लिए कोई सूचना जारी करने के लिए आवेदन करता है तो समिति, ऐसी सूचना तब तक जारी नहीं करेगी जब तक वह यह नहीं मानती है कि ऐसे आवेदन को इस आधार पर कि उसे तंग करने या विलंब करने अथवा न्याय दिलाने को असफल करने के प्रयोजन के लिए किया गया है, खारिज करेगा और उसके द्वारा ऐसे आधार को लेखबद्ध किया जाएगा।

(16) उपनियम (13) के अधीन शिकायतकर्ता के अनुरोध पर साक्षियों को जारी की गई सूचना या उपनियम (15) के अधीन प्रतिवादी कार्यवाही में उपस्थित होने के लिए उपगत हुए व्यय की प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।

(17) साक्ष्य देने के पश्चात्, निदेशक और प्रतिवादी समिति के समक्ष अपने तर्कों को प्रस्तुत करेंगे :

परंतु यदि शिकायतकर्ता कार्यवाही के दौरान उपस्थित रहते हुए यह महसूस करता है कि निदेशक द्वारा कोई मुख्य तर्क छोड़ दिया गया है तो वह उसका समिति को विश्वास दिलाने के पश्चात् तर्क प्रस्तुत कर सकेगा।

(18) समिति, कार्यवाही के किसी प्रक्रम पर ऐसे निबंधनों पर जो वह उपयुक्त समझे, सुनवाई को आस्थगित कर सकेगी :

परंतु यह कि ऐसा आस्थगन कार्यवाही के किसी प्रक्रम पर एक से अधिक बार नहीं दिया जाएगा।

(19) समिति लिखित कथन प्रत्युत्तर और उससे संबंधित दस्तावेजों तथा मौखिक निवेदन पर यदि कोई प्रतिवादी या निदेशक और प्रतिवादी द्वारा किया जाता है, विचार करेगी और इस निष्कर्ष पर पहुंचेगी कि प्रतिवादी किसी वृत्तिक या अन्य अवचार का दोषी हैं या नहीं।

15. **समिति की रिपोर्ट :** (1) नियम 14 के उपनियम (19) के अधीन किसी निष्कर्ष पर पहुंचने पर, समिति अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन तथा उपबंधित अपनी रिपोर्ट परिषद् को प्रस्तुत करेगी।

(2) जहां परिषद् अधिनियम की धारा 29 की उपधारा (2) के अधीन आगे जांच करने के लिए निदेश सहित समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करती है, वहां समिति ऐसी जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट समिति को प्रस्तुत करेगी।

16. **केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्देशित सदस्यों को भत्ते** - (1) केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्देशित समिति के सदस्य को, बैठक के प्रत्येक दिन उपस्थित होने के लिए भत्ते के रूप में सौ रुपए संदत्त किए जाएंगे :

परंतु यदि ऐसा कोई सदस्य, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी कानूनी प्राधिकरण के अधीन पद धारण किए हुए है तो वह किसी ऐसे भत्ते के लिए हकदार नहीं होगा :

परंतु यह और कि केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा समय-समय पर भत्तों का पुनरीक्षण कर सकेगी।

**स्पष्टीकरण :** इस नियम के प्रयोजन के लिए, भारत की संचित निधि या किसी राज्य की संचित निधि से वेतन प्राप्त करने वाले किसी व्यक्ति को, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन पद धारण करने वाला व्यक्ति समझा जाएगा।

(2) समिति का पीठासीन अधिकारी या सदस्य जब दौरे पर हो तब उनकी पदीय हैसियत में उनको यथाअनुज्ञेय यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का हकदार होगा और यदि सदस्य कोई सरकारी सेवक नहीं है तो वह भारत सरकार में समतुल्य पद का वेतनमान वाले किसी पद के धारक किसी अधिकारी को यथाअनुज्ञेय यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

## अध्याय 5

### प्रकीर्ण

17. **शिकायतकर्ता, प्रतिवादी और साक्षी द्वारा कार्यवाही में उपस्थिति** - (1) जब तक समिति द्वारा अन्यथा कोई आदेश पारित न किया गया हो, शिकायतकर्ता या प्रतिवादी को समिति की कार्यवाही में उपस्थित होने का अधिकार होगा।

(2) शिकायतकर्ता या प्रतिवादी कार्यवाही में उपस्थित होने के लिए उपगत व्यय की प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।

18. **अवशिष्ट उपबंध** - जांच की प्रक्रिया, मामलों के संचालन और नामनिर्देशित सदस्यों के भत्तों से संबंधित विषय का, जिनकी बाबत इन नियमों में कोई स्पष्ट उपबंध नहीं

किया गया है, प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा और उस पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

## प्ररूप

## उपाबंध

(नियम 3 का उपनियम (1) देखिए)

1.	शिकायतकर्ता का नाम (सदस्यता संख्या सहित यदि भारतीय बीमांकक संस्थान का सदस्य है)	
2.	सदस्य/फर्म का नाम जिसके विरुद्ध शिकायत की जा रही है : (फर्म की सदस्यता संख्याक/रजिस्ट्रीकरण संख्यांक, यदि ज्ञात है)	
3.	पत्र-व्यवहार के लिए शिकायतकर्ता का अंतिम पता	पिन कोड
4.	सदस्य या फर्म का अंतिम उपलब्ध वृत्तिक पता जिसके विरुद्ध शिकायत की गई है	पिन कोड
5.	अनुसूची के तत्स्थानी खंड/ भाग सहित क्रमिक संख्यांक अभिकथनों की विशिष्टियां, या सुसंगत अनुसूची के खंड/ भाग सहित क्रमिक रूप से संख्यांकित अभिकथित विशिष्टियां जिसके अंतर्गत अभिकथित कार्य या लोप अथवा दोनों आएंगे	1. 2. 3. 4. 5.
6.	अभिकथनों के समर्थन में दिए गए साक्ष्य की विशिष्टियां	
7.	उस व्यक्ति का नाम जिसे मामले के तथ्यों का ज्ञान है	

तारीख :

स्थान :

(शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर)

(नाम )

## सत्यापन

मैं,.....शिकायतकर्ता, यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

आज तारीख.....को सत्यापित।

तारीख :

स्थान :

शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर

(नाम )

[फा. सं. 97/11/2003-संस्था-III(iv)]

तरुण बजाज, संयुक्त सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd July, 2008

**G.S.R. 495(E).—** In exercise of the powers conferred by clauses ( c ), ( d ) and ( e ) of sub-section ( 2 ) of section 55 read with sub – section ( 2 ) of section 26, sub – sections ( 2 ) of section 27 and section 31, of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), the Central Government hereby makes the following rules , namely :

1. **Short title and commencement.-** ( 1 ) These rules may be called the Actuaries (Procedure for Enquiry of Professional and Other Misconduct ) Rules, 2008.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

**CHAPTER I****PRELIMINARY**

2. **Definitions. -** (1) In these rules, unless the context otherwise requires, -
- (a) “Act” means the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006);
  - (b) “Committee” means the Disciplinary Committee constituted under sub – section (1) of section 26 of the Act;
  - (c) “Defendant” Means a Member against whom the complaint or information has been received under the Act;
  - (d) “Designated Person” means a person authorized by the Council;
  - (e) “Director” means a person appointed as Prosecution Director under sub – section (1) of section 27 of the Act;
  - (f) From mean the From annexed to these rules;
  - (g) “Institute” means the Institute of Actuaries of India constituted under section 3 of the Act;
  - (h) “Member” means an associate or fellow of the Institute and includes a person who was a member of the Institute on the date of the alleged misconduct, although he has ceased to be a member of the Institute at the time of filing the complaint, initiation of the inquiry or thereafter;

- (i) "Presiding Officer" means the Presiding Officer of the Committee
- (j) "Professional Address" means, in relating to a Member,—
- (i) the last registered address, where a Member is carrying his profession or when he is carrying his profession at more than one place, the principal place; or
  - (ii) the last registered place of employment or, at his option, the place of his residence, if the member is employed ; or
  - (iii) the last registered place of residence, if the member neither carried on the profession nor is employed ; or
  - (iv) the last registered overseas address or, at his option, place of residence in India which shall be deemed to be the professional address for the purposes of these rules.
- (k) "regulations" means the regulations made by the Council under section 56 of the Act;
- (l) "Schedule" means Schedule annexed to the Act,
- (2) Words and expressions used herein and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the same meanings as assigned respectively to them in the Act.

## CHAPTER II

### PROCEDURES OF ENQUIRY RELATED TO COMPLAINTS AND INFORMATION

3. **Procedure for filing complaint.**- (1) A complaint shall be presented in the Form in triplicate before the Designated Person in person, by post or courier, as the case may be.
- (2) The complaint sent by post or courier under sub – rule (1) shall be deemed to have been presented to the Designated Person on the day on which it is received in the Institute.
- (3) If the complaint filed by or on behalf of the Central Government or any State Government, such complaint shall be authorized by an officer holding a post not below the rank of Joint Secretary or equivalent and shall be signed by an officer holding a post not below the rank of Under Secretary or equivalent rank in the Central Government or State Government, as the case may be.



(4) If the complaint filed by or on behalf of any statutory authority, such as Insurance Regulatory and Development Authority, Reserve Bank of India or Securities and Exchange Board of India, such complaint shall be authorized by an officer holding a post of Joint Secretary to the Government of India or equivalent and shall be signed by an officer holding a post not below the rank of Under Secretary or equivalent in the Central or State Government, as the case may be.

(5) If the complaint filed by or on behalf of a company, shall be accompanied by a resolution, duly passed by the Board of Directors of partners of the company, as the case may be, specifically authorizing an officer or a person to make the complaint on behalf of the company.

Explanation: For the purpose of this sub-rule, "company" means any body Corporate and includes a firm or other association of individuals.

(6) If the complaint filed by the Central Government, State Government, statutory authority or company, a change in the name of complainant at any later stage, shall be duly supported by a specific authorization made by an officer holding a post equivalent to that of the original complainant.

(7) Every complaint received by the Designated Person shall be duly acknowledged upon receipt of complaint in person or by post under a certificate of posting as the case may be with an acknowledgement number.

4. **Fee for filing complaint.** - (1) Every complaint, other than a complaint filed by or on behalf of the Central Government, any State Government or any statutory authority, shall be accompanied by a fee not exceeding Rs 500/- as may be determined by the Council through regulations (ICAI charge Rs 100/-).

(2) The fee shall be paid in the form of a demand draft drawn on any bank in India in favour of the Institute payable at the place where the head office of the Institute is situated.

(3) The fee once paid shall not be refunded.

Provided that no additional fee shall be payable if the complaint is resubmitted after rectification of defect under sub - rule (5) of rule 5.

5. **Registration of complaint.** - (1) The Designated Person shall endorse on every complaint the date on which it is received or presented and shall sign on each complaint and refer such complaint to the Director.

(2) After receipt of the complaint under sub-rule(1), the Director shall scrutinize the complaint.

- (3) If, on scrutiny under sub-rule (2), the complaint is found to be in order, the Director shall register the complaint and give a serial number to the complaint.
- (4) If the subject matter of the complaint on scrutiny is, substantially the same as or has been covered by any previous complaint or information received and is under process or has already been dealt with, the Director shall take the following step, namely,-
- (a) if the previous complaint filed is pending before the Director, then the present complaint may be clubbed with the previous complaint and in such case the fact may be conveyed to the complainants both previous and present and respondent; or
  - (b) if prima facie opinion has been formed by the Director in such a previous complaint and the case is pending before the Committee then the Director shall bring the present complaint before the Committee, and the latter shall either club the complaint with the previous complaint or ask the Director to deal with it as a separate complaint, as it deems fit; or
  - (c) if order have already been passed by the Committee on a previous complaint, then the Director shall refer the present complaint to the Committee and the Committee shall recommend the same to the Council for decision.
- (5) If the complaint on scrutiny, is found to be defective and the defect is final in nature, the Director may allow the complainant to rectify the same in his presence or if the said defect is not formal in nature, the Director, may allow the complainant such time as he may deem fit.
- (6) If the complainant fails to rectify the defect within the time allowed under sub-rule (5), the Director may by order and reasons recorded in writing decline to register the complaint.
- (7) An appeal against the order of the Director under sub-rule (6) shall be made within fifteen days of the recording of such order to the Committee and the decision of the Committee thereon shall be final.
- 6 **Withdrawal of a complaint.** - The Director, on receipt of an application for withdrawal of a complaint by the complainant, shall place the same before the Committee and the Committee may, if it is of opinion that the circumstances so warrant, permit the withdrawal of the complaint, at any stage, including before or after registration of the complaint:

Provided that in case the Director has not yet formed his prima facie opinion on such a complaint, he shall place the same before the Committee and the Committee may, if it is of opinion that the circumstances so warrant, permit the withdrawal of the complaint.

7. **Information.-** (1) Any written information against a member or a firm, received in person or by post or courier, which is not in Form, shall be treated as information received and shall be dealt with in accordance with the provisions of these rules.
- (2) On receipt of such information, the informant shall be, in the first instance, asked as to whether he shall prefer to file a complaint in Form apprising him of the following information, namely,-
- (a) relatively longer time is taken for disposal of any information than a complaint;
- (b) the person giving information shall not have the right to be represented during the enquiry or hearing of the case;
- (c) the Institute shall not inform to the informant, nor entertain any queries from the informant at any and every stage of the progress made in respect of the information received under sub-rule (1), if it is of the opinion that giving of any such information shall impede the process of investigation, apprehension or prosecution of offenders:
- Provided that a copy of the final order shall be sent to the informant,
- (3) An anonymous information received shall not be entertained by the Director.

### CHAPTER III PROCEDURE OF ENQUIRY

8. **Procedure to be followed by Director on a complaint.-** (1) The Director or an officer authorized by the Council in this behalf shall, within sixty days of the receipt of a complaint under rule 3, -
- (a) if the complaint is received against an individual member, send particulars of the acts of commission or omission alleged, or as the case may be, a copy of the complaint to that member at his professional address ;
- (b) if the complaint is received against a firm, send particulars of the acts of commission or omission alleged or as the case may be, a copy of the complaint to the firm at the address of its head office as entered in the Register of Offices of firms maintained by the Institute, with a notice calling upon the firm to disclose the name or names of the member or members concerned and to send particulars of acts of commission or omission or as the case may be, a copy of the complaint, to such members:

Provided that while disclosing the name or names of the member or members, the firm shall send a declaration signed or, as the case may be, jointly signed by the member or members concerned to the effect that he, she or they shall be responsible for answering the allegations mentioned in the complaint and that the particulars of acts of commission or omission or the copy of the complaint sent to the firm by the Director had been duly received by him, her or them.

Explanation. — For the purposes of this sub-rule, notice to the firm shall be deemed to be a notice to all the members who are partners or employees of that firm as on the date of registration of the complaint.

(2) A member whose name is disclosed by the firm shall be responsible for replying the complaint, provided such a member was associated, either as partner or employee, with the firm, against which the complaint has been filed, at the time of occurrence of the alleged misconduct.

Provided that if no member of the firm, whether erstwhile or present, own responsibility for the allegation made against the firm, then the firm as a whole shall be responsible for answering the allegation or allegations and, as such, all the members who were partners or employees of that firm, as on the date or occurrence of the alleged misconduct, shall be responsible for answering the allegation or allegations as contained in the complaint.

(3) The Defendant shall, within 21 days from of the receipt the copy of the complaint, or within such additional time, not exceeding thirty days, as may be allowed by the Director, submit his written statement before the Director.

(4) On receipt of the written statement of the Defendant, the Director may send a copy of written statement to the complainant, and the complainant shall, within 21 days of receipt the copy of the written statement, or within such additional time, not exceeding thirty days, as may be allowed by the Director, file to the Director, his rejoinder, if any.

(5) On perusal of the complaint, written statement, or rejoinder, as the case may be, the Director may call for such additional particulars or documents connected therewith either from the complainant or the Defendant or any party to the complaint, as he may consider appropriate:

Provided that if no written statement is submitted by the Defendant within the time allowed under sub-rule (3) or no rejoinder is filed by the complainant within the time allowed under sub-rule (4), the Director shall presume that the Defendant or the complainant, as the case may be, have nothing further to state and take further action as provided under this Chapter.

9. **Examination of Complaint.**— (1) The Director shall examine the complaint, written statement, rejoinder, or, as the case may be, other additional particulars or documents, if any, for holding prima facie opinion as to whether the member

or the firm is guilty or not of any professional or other misconduct under the as specified Schedule;

(2) Where the Director is of the prima facie opinion that the member or the firm is guilty of any misconduct as specified under the Schedule, he shall place his opinion along with the complaint and other additional particulars or documents and all other relevant papers before the Committee;

(3) If the Committee, agrees with the prima facie opinion of the Director under sub-rule (1) above, then the Committee may proceed further under Chapter IV.

(4) If the Committee, disagrees with the prima facie opinion of the Director under sub-rule (1), it shall forward the complaint to Council to close the complaint or advise the Director to make further enquire into the complaint.

(5) If the Director is of the prima facie opinion that the member or the firm is not guilty of any misconduct under the Schedule, he shall place the matter before the Committee.

(6) If the Committee agrees with the opinion of the Director, he shall refer the matter to the Council for its closure.

(7) If the Committee disagrees with the opinion of the Director, it may either proceed under Chapter IV of these rules or may advise the Director to further enquire into the matter.

(8) The Director shall, after making further enquiry as advised by the Committee under sub- rules (4) or (7) of this rule, proceed under this rule.

**10. Mode of sending notice . -** (1) Every notice issued by the Director or the Committee under these rules shall be sent to the member, firm or any other person, by registered post with acknowledgment due or speed post or a messenger, except where specified otherwise in any rule.

(2) If any notice is returned as unserved or undelivered with an endorsement to the effect that the addressee refused to accept the notice, the notice shall be deemed to have been served or delivered, as the case may be.

(3) If the notice is returned with an endorsement to the effect that the addressee cannot be found at the address given, the Director shall ask the complainant or any other person who may be in a position to provide another address of the member or firm or person whose address is found to be not correct, and on production of the correct address, a fresh notice shall be served or delivered on such address.

(4) Where the notice is returned under sub – rule (3), it may be served by fixing a copy thereof in some conspicuous place at the professional address or residence of the Defendant which was last registered with the Institute or in such other

manner as the Committee may think fit and such service shall be deemed to be sufficient of service for the purposes of these rules.

**11. Certain provisions relating to complaint also to be applicable for information relating to misconduct of members .** - The procedure laid down for dealing with complaints in sub - rule (7) of rule 3, sub - rules ( 1), (2), (3) and (4 ) of rule 5, sub - rules ( 1), ( 2 ), ( 3) and ( 5 ) of rule 8 rule 9 and rule 10 shall also apply to information received by the Director under these rules.

**12. Time limit on entertaining complaint or information .** - Where the Director is satisfied that there shall be difficulty in securing proper evidence of the alleged misconduct, or that the member or firm against whom the information or complaint, as the case may be, has been received shall find it difficult to lead evidence to defend himself or itself, as the case may be, on account of the time lag, or that changes have taken place rendering the inquiry procedurally inconvenient or difficult, he may refuse to entertain a complaint or information in respect of any misconduct made more than seven years after the same was alleged to have been committed and submit the same to the Committee.

#### **CHAPTER IV DISCIPLINARY COMMITTEE**

**13. Functioning of the Committee** (1) All questions which come up before the Committee shall be decided by a majority of the Members present and voting, and in the event of an equality of votes, the Presiding Officer or in his absence, the person presiding at the meeting of the Committee, shall have a second or casting vote.

(2) The quorum for any meeting of the Committee shall be two members

(3) In the event of the Presiding Officer not being able to attend the meeting of the Committee, the member of the Council duly elected by the Council under subsection (1) of section 26 of the Act shall act as the Presiding Officer.

**14. Procedure to be followed by the Committee.** - (1) The Committee shall follow summary disposal procedure in dealing with all cases before it, as laid down in this Chapter.

(2) If the Committee decide to proceed further under rule 2 or rule 9, it shall expeditiously cause to deliver to the Defendant and the complainant, a copy each of the following, namely,-

(a) opinion formed by the Director on the complaint or information; and

(b) particulars or documents relied upon by the Director if any, during the course of formulation of opinion.

(3) The Committee shall inform the Defendant to file a written statement, within such time as may be specified:

Provided that the Committee may grant additional time for filing his written statement on application made by the Defendant on his adducing sufficient reasons to the satisfaction of the Committee for seeking additional time:

Provided further that such additional time shall not be given more than once and if the Defendant does not file the written statement within the additional time granted under first proviso, the Committee shall presume that the Defendant has no further submissions to make and shall proceed to decide the case on merits.

(4) The Defendant shall send a copy of his written statement along with supporting documents to the Director and to the complainant within the time.

(5) The complainant may, after receipt of the written statement, file the rejoinder, if any, to the Committee, with a copy of the rejoinder to the Defendant along with documents, if any.

(6) The Presiding Officer shall fix the date, hour and place for hearing, of the information or complaint, which shall not ordinarily be later than 45 days from the date of receipt of opinion taken by; Committee and the Committee shall cause a notice to be sent of such date, hour and place to the Director, Defendant and complainant and require them to appear before it in person to make oral submission, if any.

(7) On the date fixed for hearing, if the Defendant, on receipt of the service of notice, under sub – rule (6), does not appear either in person or through his authorized representative, as the case may be, the Committee may proceed ex-parte and proceed with the matter as provided under sub-rule (19) or, as the case may be, direct fresh notice to be served.

(8) During the first hearing, the Committee shall read out the allegations to the Defendant along with the summary of opinion arrived at by the Director, and ask the Defendant whether he pleads guilty to the allegations made against him:

Provided that, if the Defendant does not appear before the Committee on the place, date and time fixed by it, the Committee shall proceed with the proceeding in accordance with the provisions of this Chapter.

(9) If the Defendant pleads guilty, the Committee shall record the statement of Defendant and take submit the report to the Council as per the provision of the Act.

(10) If the Defendant does not plead guilty, then the Committee shall fix a date for examination of witnesses or production of documents, if any.

(11) The Committee may, on application of the complaint, Defendant or Director, issue notice to any of his witnesses to attend or produce any other document or, as the case may be, evidence.

(12) The Committee shall, on date fixed for hearing, proceed to take all such evidence as may be produced by complaint, Defendant or the Director including oral examination of witnesses or production of documents:

Provided that the Committee may permit the cross – examination of any witness to be deferred until any other witness or witnesses have been examined or recall any witness for further cross – examination.

(13) After the presenting of evidence by the Director is over, the complainant shall be given an opportunity, if present during the hearing, to present any additional evidence after satisfying the Committee that such evidence is relevant and has not been brought forward during the presentation by the Director.

(14) The Defendant shall be then called upon to enter upon his defence and produce his evidence.

(15) If the Defendant applies to the Committee to issue any notice for compelling attendance of any witness for the purpose of examination or cross-examination, or the production of any document or any material object, the Committee shall issue such notice unless it considers that such application shall be refused on the ground that it is made for the purpose of vexation or delay or for defeating the ends of justice and such ground shall be recorded by it in writing.

(16) The notice issued to the witnesses at the request of the complainant under sub- rule (13) or the Defendant under sub – rule (15) shall not be eligible for reimbursement of expenses incurred for attending the proceeding.

(17) After evidences have been adduced, the Director and the Defendant shall present their arguments before the Committee:

Provided that, if the complainant is present during the proceeding feels that any vital argument has been left out by the Director, may present the argument, after convincing the Committee of the same.

(18) The Committee may, at any stage of the proceeding, adjourn the hearing on such terms as it thinks fit:

Provided that such adjournment shall not be given more than once at any stage of the proceeding.

(19) The Committee shall consider the written statement, rejoinder and documents relating thereto, and the oral submission, if any made by the



Defendant, or the Director and the respondent, and arrive at a finding on whether the Defendant is guilty or not of any professional or other misconduct.

15. **Report of the Committee.** - (1) On arriving at a finding under sub – rule (19) of rule 14, the Committee shall submit its report to the Council as provided under sub-section (2) of section 26 of the Act.

(2) Where the Council refers the report to the Committee with a direction for further enquiry under in sub-section (2) of section 29 of the Act, the Committee shall make such enquiry and submit its report to the Council.

16. **Allowances to the members nominated by the Central Government . -** (1) The Member of the Committee nominated by the Central Government shall be paid Rs. 1000/- as allowance for attending each day of meeting:

Provided that if such a Member is holding post under the Central Government or the State Government or, as the case may be, any statutory authority, he shall not be eligible for any such allowances:

Provided further that the Central Government may, by notification in the Official Gazette, revise the allowances from time to time.

Explanation. - For the purpose of this rule, a person drawing salary from the Consolidated Fund of India or the Consolidated Fund of a State shall be deemed to be a person holding a post under the Central Government or the State Government, as the case may be.

(2) The Presiding Officer or Member of the Committee, while on tour, shall be entitled to the travelling allowance and daily allowance as admissible to them in their official capacity and in case the Member is not a Government Servant, he shall be entitled to the travelling allowance and daily allowance as admissible to an officer holding a post carrying a scale of pay of equivalent to the post to the Government of India.

## CHAPTER V MISCELLANEOUS

17. **Attendance of proceeding by the Complainant, Defendant and witness .-**  
(1) Unless otherwise any order passed by the Committee, the Complainant or Defendant shall have the right to attend the proceeding of the Committee.

(2) The complainant or the Defendant shall not be eligible for reimbursement of expenses incurred for attending the proceeding.

18. **Residuary provision.** - Matters relating to the procedure of enquiry, conduct of cases and allowances to nominated members with respect to which no express provision has been made in these rules shall be referred in each case to the Central Government for its decision and the decision of the Central Government thereon shall be final.

## ANNEXURE

## FORM

( See sub-rule ( 1 ) of rule 3 )

1	Name of the Complainant : ( with membership number, if member of The Institute of Actuaries of India )	..... ..... ..... .....
2	Name of the member/ firm against whom complaint is being made : ( with membership number / registration number of the firm, if known )	..... .....
3	Latest address of the complainant for communication	..... ..... pin code : .....
4	Last available professional address of the Member or the firm against whom the complaint is made	..... ..... pin code : .....
5	Particulars of allegation(s) serially numbered together with corresponding clause/ part of the Schedule, or  Particulars of allegation(s) serially numbered together with clause/ part of the relevant Schedule(s) under which the alleged acts of commission or omission or both would fall	1. .... ..... 2. .... ..... 3. .... ..... 4. .... ..... 5. .... .....
6	Particulars of evidence (s) adduced in support of the allegation(s) made	..... .....
7	Name(s) of person who have knowledge of the facts of the case	..... .....

Date :

Place :

Signature of the Complainant  
(Name )

## VERIFICATION

I, ....., the Complainant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the ..... day of ..... 20 ..... at .....

Date :

Place :

Signature of the Complainant  
(Name )

(F.No 9711/2017-III(VI)

TARUN RAJALULU